■ भाद्रपद शुक्ल - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 50 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 12-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अवसरवादी लोग बीजद छोड़ रहे हैं : नवीन पटनायक

6 हरियाणा चुनावी मुद्दों से मिल रहे हैं सत्ता-विरोधी संकेत

7 हैरिस राष्ट्रपति बनीं तो इजराइल का अस्तित्व मिट जाएगा : ट्रंप

फर्स्ट टेक

'मिशन मौसम' को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को ''मिशन मौसम'' को मंजूरी दे दी। इस मिशन का उद्देश्य मौसम की चरम घटनाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अनुमान लगाने और उनसे निपटने की देश की क्षमता को बढ़ाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ''मिशन मौसम'' को मंजूरी देने का फैसला किया। दो वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपए के बजट वाले इस मिशन को मुख्य रूप से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत तीन प्रमुख संस्थानों – भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र द्वारा कार्यान्वित किया जायेगा। इस मिशन के अंतर्गत भारत के मौसम और जलवायु-संबंधी विज्ञान, अनुसंधान एवं सेवाओं को जबरदस्त प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए एक बहुआयामी और परिवर्तनकारी पहल होने की परिकल्पना की गई है।

'सोयूज' अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना, दो रूसी और एक अमेरिकी यात्री सवार

मॉस्को/एपी। 'सोयूज' अंतरिक्ष यान ने दो रूसी और एक अमेरिकी यात्री को लेकर बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरी। कजाकिस्तान के बैकोनूर स्थित रूस के अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से एक विशाल रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष कैप्सूल को अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शाम चार बजकर 23 मिनट पर रवाना किया गया। मिशन कमांडर रूस के एलेक्सी ओविचिनिन हैं तथा चालक दल में उनके हमवतन इवान वैगनर और अमेरिकी डोनाल्ड पेटिट शामिल हैं।

ट्रेन में कई कैमरे लगाए जाएंगे : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के इरादे से पटरियों और आसपास के क्षेत्र पर नजर रखने के लिए ट्रेन में कई कैमरे लगाए जाएंगे। वैष्णव का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कई ऐसी दुर्घटनाएं घटी हैं, जिनमें प्राधिकारियों को संदेह है कि ट्रेन को पटरी से उतारने की कोशिश की गई। वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि ट्रेन के इंजन और गार्ड कोच के अगले-पिछले हिस्सों और दोनों किनारों पर कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि डिब्बों में और इंजन के अगले हिस्से में जानवरों से बचाव के लिए लगे 'कैटल गार्ड' पर भी कैमरे लगाए जाएंगे। रेल मंत्री ने कहा कि कैमरे लगाने के लिए तीन महीने के भीतर संविदा जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि कैमरे सभी ट्रेन में लगाए जाएंगे।

12-09-2024 सूर्यास्त 6:22 बजे	13-09-2024 सूर्योदय 6:08 बजे
BSE 81,523.16 (-398.13)	NSE 24,918.45 (-122.65)
सोना 7,531 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 86,409 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सबकुछ बाँटो

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

'हमारा सपना है, दुनिया के हर उपकरण में हो भारत में बनी चिप'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेमीकंडक्टर के घरेलू विनिर्माण में निवेश को बढ़ावा देने का बुधवार को आह्वान करते हुए कहा कि आपूर्ति शृंखलाओं की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

सेमीकंडक्टर स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन और कृत्रिम मेधा (एआई) तक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित हर उत्पाद का आधार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी से सटे ग्रेटर नोएडा में आयोजित 'सेमीकॉन-2024' सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी की वजह से आपूर्ति शृंखला की अहमियत का अहसास सबको हुआ है। उन्होंने भविष्य में इस तरह के किसी भी व्यवधान पर काबू पाने के लिए कदम उठाने की जरूरत पर बल दिया।

कोविड-19 महामारी के समय दुनिया को आपूर्ति संबंधी बड़े झटके झेलने पड़े थे। चीन में उठाए गए सख्त कदमों ने उस देश से आयात पर निर्भर उद्योगों और क्षेत्रों को खासा प्रभावित किया था। इससे भारत में भी सेमीकंडक्टर चिप की किल्लत पैदा हो गई थी जो सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अहम हिस्सा है।

उन्होंने कहा, आपूर्ति शृंखला का जुझारूपन या मजबूती बेहद महत्वपूर्ण है। भारत अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति शृंखला तैयार करने के लिए काम कर रहा है।

अगले तीन-चार महीनों में आ जाएगी सेमीकंडक्टर 2.0 नीति : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि सरकार ने सेमीकंडक्टर नीति के दूसरे चरण 'सेमीकॉन 2.0' पर काम करना शुरू कर दिया है और इसके अगले तीन-चार महीनों में लागू होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने यहां 'सेमीकॉन इंडिया-2024' सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश के तीन-चार राज्यों ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक सेमीकंडक्टर संयंत्र उत्तर प्रदेश में भी लगाया जाएगा।

शिमला मस्जिद विवाद : प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक तोड़े, पुलिस से झड़प में 10 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। शिमला के संजौली क्षेत्र में एक मस्जिद के अवैध हिस्से को ध्वस्त करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों की बुधवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों को तोड़ दिया और पथराव किया, जबकि पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें कीं और लाठीचार्ज किया। इस दौरान पुलिस और महिलाएं सहित करीब 10 लोग घायल हो गए।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि सरकार स्थिति के बिगड़ने पर गंभीर रूप से चिंतित है और सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रख रही है। उन्होंने कहा, ''हम केंद्रीय नेतृत्व और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के संपर्क में हैं और मैंने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ला से बात की है। वे भी चिंतित हैं कि कानून व्यवस्था की स्थिति में कोई गिरावट नहीं आए।''

''जय श्री राम'' और ''हिंदू एकता जिंदाबाद'' के नारे लगाते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारी सब्जी मंडी ढल्ली में एकत्र हुए। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए उन्होंने प्रशासन की चेतावनी की अनदेखी की और संजौली की ओर मार्च शुरू कर दिया। उन्होंने ढल्ली सुरंग के पास लगाए गए अवरोधक तोड़ दिए।

उत्तरी सीमा से सटे गांवों में बदलाव लाना सरकार का लक्ष्य : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में चीन की सीमा से सटे गांवों को 'आदर्श गांवों' में बदलना है।

सिंह ने एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास के लिए नयी दिल्ली पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने भारत के सीमावर्ती गांवों को भारत के 'प्रथम गांव' के रूप में वर्णित किया न कि दूरदराज के क्षेत्रों के रूप में। सिंह की टिप्पणी पूर्वी लद्दाख विवाद के बाद चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के सरकार के कदम के बीच आई है।

सिंह ने 'सीमा क्षेत्र विकास सम्मेलन' में कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिक-सैन्य सहयोग से सीमांत क्षेत्रों में पलायन कम हो रहा है। रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत की भू-रणनीतिक स्थिति ऐसी है कि उसे विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और उनसे निपटने का सबसे अच्छा तरीका सीमा क्षेत्र के विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य उत्तरी सीमाओं खासकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के गांवों को 'आदर्श गांव' में बदलना है। हमारा लक्ष्य उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। सिंह ने कहा कि उत्तर-पूर्वी राज्यों के पारेषण और वितरण बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है।

अमेरिका में बेबुनियाद बयानों से भारत की गरिमा को राहुल गांधी ने ठेस पहुंचाई

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका में दिए गए बयानों के लिए बुधवार को राहुल गांधी की आलोचना की और कहा कि यह अत्यंत शर्मनाक है कि नेता प्रतिपक्ष अपने विदेश दौरों पर 'भ्रामक, बेबुनियाद और तथ्यहीन' बयान देकर भारत की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में भारत-चीन सीमा मुद्दे पर राहुल गांधी के दावों को भी खारिज कर दिया और कहा कि जिस तरह के दावे उन्होंने अमेरिका की धरती पर किए हैं, वे भ्रामक और तथ्यों से परे हैं।

वाशिंगटन में प्रतिष्ठित नेशनल प्रेस क्लब में मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राहुल गांधी ने पाकिस्तान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों का समर्थन किया, लेकिन चीन के मुद्दे से निपटने के उनके तौर तरीकों की उन्होंने आलोचना की। उन्होंने कहा, चीनी सैनिकों ने लद्दाख में दिल्ली के क्षेत्रफल जितनी जमीन पर कब्जा कर लिया है। मुझे लगता है कि यह अनर्थ है। मीडिया इसके बारे में लिखना नहीं चाहता है। उन्होंने कहा है कि भारत में सिख समाज को गुरुद्वारों में पगड़ी पहनने की इजाजत नहीं है, उन्हें उनके पंथ के अनुरूप व्यवहार करने से रोका जा रहा है।

ईडी ने भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने धनशोधन रोधी कानून के तहत भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की 29.75 करोड़ रुपए की नई संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि संबंधित परिसंपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है। इसने कहा कि ये परिसंपत्तियां बैंक जमा, भूमि और भवन के रूप में हैं। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी)के साथ दो अरब डॉलर की कथित धोखाधड़ी के मामले में पांच साल से अधिक समय से जांच कर रही एजेंसी ने पूर्व में नीरव मोदी की भारत और विदेश स्थित 2,596 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी। नीरव मोदी (53) वर्तमान में ब्रिटेन की जेल में बंद है और इस कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले के संबंध में भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी याचिका खारिज हो चुकी है।

अगर हमने 20 सीट और जीत ली होतीं तो अब तक जेल में होते भाजपा के शीर्ष नेता : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतनाग/श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि अगर विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) ने हालिया लोकसभा चुनाव में 20 सीट और जीत ली होतीं तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जेल में होते।

भाजपा ने खरगे पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस की ''आपातकाल वाली मानसिकता'' का स्पष्ट उदाहरण है।

खरगे ने अनंतनाग में एक चुनावी रैली के दौरान किसी का नाम लिए बिना कहा, ''वे (भाजपा) 400 पार, 400 पार कहते थे। आपके 400 पार कहां गए? उन्हें केवल 240 सीट मिलीं। अगर हम 20 और सीट जीतते, तो वे जेल में होते। वे जेल में रहने के लायक हैं।''

''अबकी बार 400 पार'' लोकसभा चुनाव में भाजपा का नारा था। भाजपा को चुनाव में 240 सीट मिलीं, जबकि कांग्रेस सहित 'इंडिया' को 234 सीट मिलीं। खरगे से जब श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में सवाल किया गया तो वह अपनी टिप्पणी पर कायम रहे।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने खरगे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''यह कांग्रेस की 'आपातकाल' वाली मानसिकता का स्पष्ट उदाहरण है...इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था और विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था। कांग्रेस उस विरासत को जारी रखना चाहती है।''

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल लागू किया था जो 21 महीने तक जारी रहा था।

राहुल गांधी की अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात पर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अमेरिकी सांसद इल्हान उमर और अन्य से राहुल गांधी की मुलाकात को लेकर बुधवार को कांग्रेस नेता की आलोचना की तथा आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भारत-विरोधी रुख के लिए पहचाने जाने वाले लोगों से विदेशों में मुलाकात कर 'खतरनाक और शरारतपूर्ण गतिविधियों' में शामिल हो रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गांधी पहले 'बचकानी गतिविधियों' में लिप्त रहते थे, लेकिन अब वह 'खतरनाक और शरारतपूर्ण गतिविधियों' में लिप्त हैं। उन्होंने कहा, भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि एक नेता प्रतिपक्ष ने घोषित भारत-विरोधी सांसद से मुलाकात की और अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की, जो अपने भारत-विरोधी रुख और बयानों के लिए बदनाम हैं।

सिख समुदाय पर नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि उन्हें (गांधी को) खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नून का समर्थन प्राप्त है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि इसी के साथ राहुल गांधी ने भारत-विरोधी मित्रों की अपनी सूची में एक नया दोस्त जोड़ा है। त्रिवेदी ने संवाददाता सम्मेलन में पत्रकार मुशफिकुल फजल के साथ राहुल की एक तस्वीर भी दिखाई और कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए उनपर वैसे लोगों से मिलने का आरोप लगाया जो भारत-विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं।

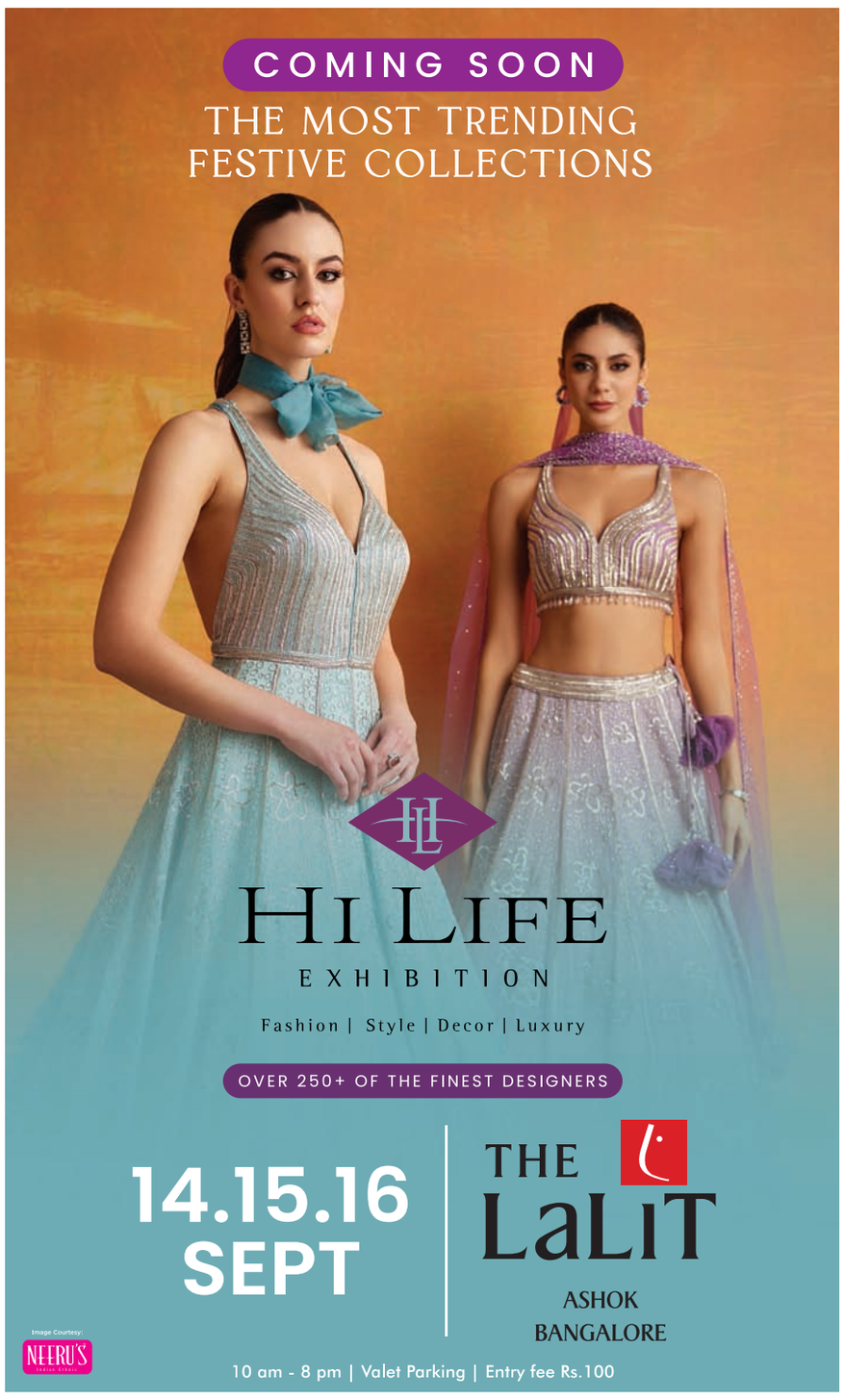

मनोरोग और आत्महत्या में राग-द्वेष की अधिकता ही है कारण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनोभावों का बार-बार विश्लेषण करने की आवश्यकता है। नकारात्मकता छोड़कर ही शांति से जीने के उपाय ढूंढे जा सकते हैं। जब तक यह अभ्यास नहीं होगा, तब तक सारी डिग्रियां और उपलब्धियां बेकार हैं। जब जीवन भीतर से जल रहा हो तो बाहर की शीतलता कोई मायने नहीं रखती। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि राग और द्वेष से पूरी तरह मुक्त हो जाना आध्यात्मिक साधना की सिद्धि है।

गृहस्थ हो या कोई संत, किसी की भी जिंदगी में ऐसी उपलब्धि बहुत मुश्किल है। लेकिन हर व्यक्ति को अपने रागात्मक और द्वेषात्मक भावों को क्षीण बनाने के प्रयोग और प्रयास करने चाहिए। आध्यात्मिक उन्नति और शांति का यही मार्ग है। वर्तमान युग में विषाद, मनोरोग और आत्महत्याओं की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही हैं। मनुष्य की सहनशीलता घटती जा रही है। बदले की भावना तीव्रतम होती जा रही है। ये सब रागात्मक और द्वेषात्मक भावों की प्रगाढ़ता के दुष्परिणाम हैं। जिस किसी भी निमित्त से ज्यों-ज्यों ये मनोभाव पोषित होंगे, त्यों-त्यों सुख-शांति और जीने की संभावनाएं समाप्त होती जाएगी, इसीलिए निमित्तों को टालना होगा।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि पर्युषण के पश्चात यहां अनेक गांवों शहरों के संघ और भक्तगण दर्शनार्थ आते जा रहे हैं। प्रवीण दांतेवाडिया ने बताया कि शुक्रवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के मुख से चंचल ललित लुंकड़ 30 उपवास का संकल्प लेंगी। शनिवार को उनकी दीर्घ तपस्या का पारणा होगा। मुनि निर्ग्रन्थविमलसागरजी की प्रेरणा से चंचल लुंकड़ ने यह साधना की है।

हरित परियोजनाओं में निवेश के लिए भारत-जर्मनी मंच की अगले सप्ताह शुरुआत : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि दुनिया भर में हरित परियोजनाओं में निवेश के लिए अगले सप्ताह भारत-जर्मनी मंच का उद्घाटन किया जाएगा।

जोशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगले सप्ताह होने वाले 'ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो 2024' में इस मंच की शुरुआत की जाएगी। हालांकि उन्होंने मंच के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। यह मंच वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण है। भारत पहले ही देश में 200 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ चुका है। जोशी ने कहा कि वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का ने लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत को 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो' में जर्मनी, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया और नॉर्वे भागीदार देश के तौर पर शामिल हो रहे हैं। जोशी ने कहा, हमें ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, जर्मनी, नॉर्वे, सिंगापुर, हांगकांग, अमेरिका, ब्रिटेन, बेल्जियम, यूरोपीय संघ, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कई अन्य देशों से प्रतिनिधिमंडलों के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इन प्रतिनिधिमंडलों में नीति निर्माता, उद्योग, वित्तीय संस्थान आदि शामिल होंगे। वहीं जर्मनी और डेनमार्क के प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व उनके मंत्री करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 सितंबर को आयोजन का उद्घाटन करेंगे। समापन सत्र की अध्यक्षता उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे। राजस्थान, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, नागालैंड, तेलंगाना, दिल्ली और अरुणाचल प्रदेश जैसे कई राज्य इसमें शिरकत कर रहे हैं। सम्मेलन में कई राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री शामिल होंगे।

चीन से अधिक हरित विनिर्माण अर्थव्यवस्था का निर्माण करे भारतः टाटा स्टील सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टी वी नरेंद्रन ने बुधवार को कहा कि भारत को ऐसी विनिर्माण अर्थव्यवस्था बनानी चाहिए जो चीन की तुलना में हरित हो और उसमें सरकार एवं निजी क्षेत्र दोनों को शामिल करने वाला समग्र दृष्टिकोण हो। नरेंद्रन ने यहां एआईएमए सम्मेलन में एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए तेज गति से हरित विनिर्माण अर्थव्यवस्था में बदलाव करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा न करने पर भारत बाजार में अपनी हिस्सेदारी गंवा देगा। उन्होंने जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ भविष्य की तरफ ऊर्जा बदलाव के प्रयासों पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, चीन ने एक बड़ी विनिर्माण अर्थव्यवस्था का निर्माण किया और अब इसे हरित बनाने की कोशिश कर रहा है। वहीं भारत एक बड़ी विनिर्माण अर्थव्यवस्था बना सकता है जो पिछले 20-30 वर्षों में चीन द्वारा बनाई गई अर्थव्यवस्था से अधिक हरित हो। नरेंद्रन ने कहा, यह भारत के लिए एक अवसर होने के साथ एक जोखिम भी है। यदि भारत पर्याप्त तेज़ी से बदलाव नहीं करता है, तो हम पाएंगे कि अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे बड़े आर्थिक समूह पहले ही यह बदलाव कर चुके हैं और भारत कार्बन कर जैसे प्रावधानों के कारण उन बाजारों से बाहर हो जाएगा।

एयरटेल ने बिहार, झारखंड के सभी जिलों में अतिरिक्त स्पेक्ट्रम का विस्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रमुख दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने बिहार और झारखंड के सभी 62 जिलों में अतिरिक्त स्पेक्ट्रम के विस्तार का काम पूरा कर लिया है जिससे दोनों राज्यों के विभिन्न शहरों के ग्राहकों को वॉइस और डेटा दोनों पर बेहतर सेवा का अनुभव मिलेगा।

भारती एयरटेल ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि उसने जुलाई, 2024 में अधिग्रहित अतिरिक्त स्पेक्ट्रम का सफलतापूर्वक परिनियोजन किया है। 1800 बैंड में 5.2 मेगाहर्ट्ज और अतिरिक्त 900 बैंड में 7 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के विस्तार से एयरटेल के 5जी/4जी नेटवर्क की क्षमताओं में वृद्धि होगी। इससे डेटा गति में सुधार होगा और शहरी व ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में ग्राहकों को घरों और इमारतों के अंदर बेहतर कवरेज उपलब्ध होगा। भारती एयरटेल के बिहार और झारखंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुजय चक्रवर्ती ने बताया कि कंपनी द्वारा अधिगृहीत अतिरिक्त स्पेक्ट्रम की तैनाती अब पूरी हो चुकी है और इससे पटना, रांची, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर आदि शहरों के ग्राहकों को वॉयस और डेटा, दोनों पर बेहतर सेवा मिलेगी। चक्रवर्ती ने बताया कि भारती एयरटेल ने हाल ही में संपन्न स्पेक्ट्रम नीलामी में 97 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम का अधिग्रहण किया है। इससे कंपनी ने न केवल समाप्त हो चुके स्पेक्ट्रम होल्डिंग्स को फिर से प्राप्त किया, बल्कि अपने सब-गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम का विस्तार भी किया और अपने कई हिस्सों में विभाजित स्पेक्ट्रम ब्लॉकों को कुशलतापूर्वक एक स्पेक्ट्रम में जोड़ा है। उन्होंने कहा कि एयरटेल के पास मध्यम श्रेणी स्पेक्ट्रम का सबसे बड़ा हिस्सा है।

जल्द होगा स्थाई और परामर्श समितियों का गठनः रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि विभाग से संबंधित संसद की स्थाई समितियां और सलाहकार समितियां जल्द गठित की जाएंगी। उन्होंने यह टिप्पणी कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा केंद्रीय मंत्रालयों के कामकाज पर विचार करने वाली स्थाई समितियों के गठन में देरी पर सवाल उठाने की पृष्ठभूमि में की है।

केंद्रीय मंत्री ने यहां अपने मंत्रालय के एक कार्यक्रम में कहा कि पहले भी स्थाई समितियों और परामर्श समितियों का गठन 15 सितंबर के आसपास किया जाता था और अब भी इसमें कोई देरी नहीं हुई है। अधिकतर स्थाई समितियां लोकसभा सचिवालय के अंतर्गत आती हैं, कुछ राज्यसभा के तहत होती हैं। विभाग संबंधित स्थाई समितियां विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के कामकाज और उनके बजटीय आवंटन तथा संसद में पेश किए गए विधेयकों पर विचार करती हैं। वे सरकार को अहम मुद्दों पर विधेयक लाने और नीतियां बनाने की भी सलाह देती हैं।

हम 10 करोड़ छोटे खुदरा विक्रेताओं, दुकानदारों की आकांक्षाओं की रक्षा करेंगेः पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि सरकार 10 करोड़ छोटे खुदरा विक्रेताओं के हितों की रक्षा करेगी जिन्हें बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने पिछले महीने ई-कॉमर्स कंपनियों की आलोचना की थी और उनके कारोबारी मॉडल पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि इनकी वजह से देश में छोटे खुदरा विक्रेताओं को नुकसान हो रहा है। गोयल ने कहा, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं हम 1.4 अरब भारतीयों की बेहतर जीवन गुणवत्ता, बेहतर भविष्य की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे, 14 करोड़ कृषक परिवारों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे... 10 करोड़ छोटे खुदरा विक्रेताओं, छोटी गली-मोहल्ले की दुकानों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे। गोयल भारत-अमेरिका व्यापार परिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका-भारत सीईओ मंच अपनी वाणिज्यिक वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए दो-तीन अक्टूबर को वॉशिंगटन में बैठक करेगा। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों के मामले में अमेरिका और भारत दोनों के लिए 'चिंता की समान वजह' बताते हुए इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। हमें महत्वपूर्ण खनिजों की दिशा में काम करना चाहिए जो एक जुझारू आपूर्ति श्रृंखला के लिए हमारी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

गणेश मूर्ति को नुकसान पहुंचाने और मंदिर पर झंडा फहराने के आरोप में सात लोग हिरासत में

भुज/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में एक पंडाल में भगवान गणेश की मूर्ति को कथित रूप से क्षतिग्रस्त करने और पास के एक मंदिर पर अपना धार्मिक झंडा लगाने के आरोप में तीन नाबालिगों सहित सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (कच्छ-पश्चिम) सागर बागमर ने बताया कि ये घटनाएं मंगलवार को नखत्राणा तालुका के कोटडा-जादोदर गांव में हुईं और देर रात नखत्राणा पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। बागमर ने कहा, पत्थरबाजी के कारण एक पंडाल में भगवान गणेश की मूर्ति को नुकसान पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू की। स्थानीय लोगों ने पुलिस को यह भी बताया कि कुछ लोगों ने पास के एक मंदिर पर अपना धार्मिक झंडा लगा दिया था। एसपी ने बताया कि जांच के बाद पुलिस ने गणेश प्रतिमा नुकसान पहुंचाने में शामिल तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया है। अधिकारी ने बताया, मंदिर पर झंडा लगाने के आरोप में चार वयस्कों को भी हिरासत में लिया गया है। स्थिति नियंत्रण में है और गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

कृषि मंत्री ने शाह से मुलाकात की; आंध्र, तेलंगाना में बाढ़ से हुए नुकसान की रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बाढ़ और भारी बारिश के कारण कृषि फसलों को हुए नुकसान की शुरुआती रिपोर्ट शाह को सौंपी। चौहान ने शाह से मुलाकात करने के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ...आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बाढ़ और भारी बारिश से प्रभावित इलाकों में हुए नुकसान की प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। जल्द ही एक केंद्रीय टीम प्रभावित इलाकों का दौरा करेगी और नुकसान का आकलन करेगी। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में आई बाढ़ ने खेती को बुरी तरह प्रभावित किया है और फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। अकेले आंध्र में, लगभग 1.8 लाख हेक्टेयर में फसलों के बर्बाद होने का अनुमान है। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बाढ़ प्रभावित राज्य के अपने हालिया दौरे के दौरान यह बताया था। चौहान ने हाल ही में दो दक्षिणी राज्यों का दौरा किया और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार राहत प्रयासों के लिए सहायता प्रदान करेगी। यह विनाशकारी बाढ़ बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के कारण आई है।

कांग्रेस ने अदाणी मामले में फिर उठाई जेपीसी जांच की मांग

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को अदाणी समूह से जुड़े मामले में एक बार फिर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग उठाई और कहा कि नियामक ढांचे से जुड़ी खामियों का पता लगाना जरूरी है। अमेरिकी संस्था 'हिंडेनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट में अदाणी समूह पर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे और इसको लेकर कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले कर रही है। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदानी के जादू से एक और निजी 'पावर इन्फ्रा' कंपनी के भाग्य बदलने और उसके अमीर बनने की यात्रा। डायमंड पावर इंफ्रा लिमिटेड को 2018 में दिवालियापन कोर्ट में घसीटा गया था।

2022 तक, गौतम अदाणी के बहनोई ने ऋण दाता को 501 करोड़ रु. का भुगतान करने की कीमत पर, इस 1000 करोड़ रु. की बाजार पूंजी वाली कंपनी को अपने नियंत्रण में ले लिया। उन्होंने दावा किया कि 2022 में इस कंपनी का कारोबार शून्य था, लेकिन 2023-24 तक इसकी आय 344.1 करोड़ रु. हो गई। अदाणी के कारोबार की बदौलत डायमंड पावर इंफ्रा लि. का मूल्य अब 7,626 करोड़ रु. है यानी मूल्यांकन में 7 गुना वृद्धि हुई है। बहनोई के स्वामित्व वाली कंपनी के साथ लेनदेन संबंधित-पार्टी सौदों की श्रेणी में नहीं आते हैं। इसलिए अदाणी समूह की 10 सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियां और डायमंड पावर की वार्षिक रिपोर्ट उनके मालिकों के बीच पारिवारिक संबंधों का खुलासा नहीं करती हैं।

जम्मू-कश्मीर चुनावः खरगे ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए 'पांच गारंटी' की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए 'पांच गारंटी' की घोषणा की, जिनमें केंद्र शासित प्रदेश में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन के सत्ता में आने पर महिला उद्यमियों के लिए पांच लाख रुपए का ब्याज मुक्त ऋण और प्रति परिवार 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा शामिल है।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में गठबंधन उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए खरगे ने यह भी कहा कि कांग्रेस-नेकां सरकार परिवार की महिला मुखिया को हर महीने 3,000 रुपए देगी। इसके अलावा उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रति व्यक्ति 11 किलोग्राम अनाज देने का प्रावधान बहाल करने का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान प्रवासी कश्मीर पंडितों के पुनर्वास के संबंध में किए गए वादे को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भी संविधान में निहित उनके अधिकार मिलेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला और के सी वेणुगोपाल, सुबोध कांत सहित कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में 'पांच गारंटी' का उल्लेख किया। खरगे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक लाख पद रिक्त हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र द्वारा नियुक्त मौजूदा प्रशासन उन्हें नहीं भर रहा है, क्योंकि ''वे जम्मू-कश्मीर के लोगों को गरीब रखना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हम इन रिक्तियों को भरेंगे। उन्होंने कोई उद्योग नहीं लगाया, इसलिए कोई रोजगार सृजन नहीं हुआ। हम पर्यटन और विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

निर्यात, आयात से जुड़ी हर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए व्यापार पोर्टल पेश

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को निर्यात और आयात से जुड़ी सभी प्रकार की जानकारी देने के लिए व्यापार पोर्टल शुरू किया। इस कदम से सभी उद्यमियों को मदद मिलेगी। 'ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफॉर्म' को सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय, भारत निर्यात-आयात बैंक, टीसीएस, वित्तीय सेवा विभाग और विदेश मंत्रालय के सहयोग से तैयार किया गया है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पोर्टल पेश करते हुए कहा कि यह मंच सीमा शुल्क, नियमों समेत सभी प्रकार की सूचनाएं एक ही जगह पर उपलब्ध कराएगा। पोर्टल निर्यातकों को व्यापक समर्थन और संसाधन प्रदान कर सूचना की कमी की समस्या को दूर करने का काम करेगा। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि यह निर्यातकों को तत्काल समय पर महत्वपूर्ण व्यापार-संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएगा। साथ ही उन्हें विदेश में भारतीय दूतावास, वाणिज्य विभाग, निर्यात संवर्धन परिषद जैसी प्रमुख सरकारी संस्थाओं और विशेषज्ञों से जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह मंच निर्यातकों को निर्यात के हर चरण में सहायता करने के लिए तैयार किया गया है। यह मंच छह लाख से अधिक आईईसी (आयात-निर्यात कोड) धारकों, 180 से अधिक भारतीय दूतावास के अधिकारियों, 600 से अधिक निर्यात संवर्धन परिषद के अधिकारियों के अलावा डीजीएफटी, वाणिज्य विभाग और बैंकों के अधिकारियों को जोड़ेगा। गोयल ने कहा कि पोर्टल को नियमित रूप से अद्यतन किया जाएगा और संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया के आधार पर 2025 में इसका दूसरा संस्करण पेश करने में मदद मिलेगी। इसे क्षेत्रीय भाषाओं में भी जारी किया जाएगा।

अदाणी पोर्ट्स एंड सेज गुजरात के कांडला बंदरगाह पर बहुउद्देश्यीय घाट विकसित करेगी

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशनल इकनॉमिक जोन (एपी-सेज) ने गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह पर घाट संख्या 13 को विकसित करने के लिए डीपीए कंटेनर एंड क्लीन कार्गो टर्मिनल लि. के साथ एक रियायती समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि एपी-सेज ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी डीपीए कंटेनर एंड क्लीन कार्गो टर्मिनल लि. का गठन किया है। यह घाट यानी जहाज ठहरने के स्थान का परिचालन करेगी। घाट बहुउद्देशीय कार्गो को संभालेगा और इसके वित्त वर्ष 2026-27 में चालू होने की उम्मीद है।

एपी-सेज को जुलाई, 2024 में, 30 साल की रियायती अवधि के लिए घाट के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए आशय पत्र मिला था। बयान के अनुसार, एपी-सेज कंटेनर कार्गो सहित बहुउद्देश्यीय कार्गो के लिए डिजाइन, बनाओ, वित्त, परिचालन और सौंप दो (डीबीएफओटी) मॉडल के तहत घाट का विकास करेगी। घाट संख्या 13, 300 मीटर लंबा होगा और इसकी सालाना क्षमता 57 लाख टन है। इसके वित्त वर्ष 2026- 27 में चालू होने की संभावना है। एपी-सेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक अश्विनी गुप्ता ने कहा, घाट संख्या 13 दीनदयाल बंदरगाह पर हमारी उपस्थिति में विविधता लाएगा। अब हम बंदरगाह पर बहुउद्देशीय स्वच्छ कार्गो को संभालेंगे।

गांधी दर्शन में महात्मा गांधी को समर्पित विशेष रेल डिब्बे का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने महात्मा गांधी की प्रसिद्ध ट्रेन यात्राओं से जुड़े एक डिब्बे का बुधवार को यहां अनावरण किया।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्र को एकजुट करने के महात्मा गांधी के मिशन में अहम भूमिका निभाने वाली उनकी प्रसिद्ध रेल यात्राओं का यह डिब्बा प्रतीक है। इसकी बहुत सावधानी से मरम्मत की गई है। इसे यहां राजघाट स्थित गांधी दर्शन में स्थापित किया गया है। इस डिब्बे को भूरे रंग से रंगा गया है और इस पर खखख अंकित है जो तृतीय श्रेणी को दर्शाता है। दरअसल, गांधी जी तृतीय श्रेणी में ही सफर करते थे। इसकी सीढ़ियों पर महात्मा गांधी की एक आदमकद मूर्ति स्थापित की गई है, जिसमें उन्हें डिब्बे से उतरते हुए दिखाया गया है। शेखावत ने विशेष डिब्बे का अनावरण करने के बाद पत्रकारों से कहा, उनकी मृत्यु के 75 वर्ष से अधिक समय बाद भी, गांधीजी द्वारा अपनाए गए दर्शन और सिद्धांत न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए अब भी प्रासंगिक हैं। संस्कृति मंत्रालय ने बताया कि यह डिब्बा रेल मंत्रालय ने दान दिया है। मंत्रालय ने कहा, इन यात्राओं ने गांधीजी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उन्हें सभी क्षेत्रों के लोगों से जुड़ने, उनके संघर्षों को समझने और सत्य, अहिंसा और सामाजिक न्याय के अपने दर्शन को विकसित करने, सामूहिक शक्ति की ताकत का एहसास करने और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्र को एकजुट करने की आवश्यकता का एहसास हुआ। इसने कहा कि इस प्रकार रेलवे एकजुट, समावेशी भारत का ताना-बाना बुनने के उनके मिशन में एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया।

'जेल से रिहा' किए लोग भाजपा के ''छद्म सहयोगी'' हैं : फारूक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को भाजपा और उन लोगों को हराने के लिए एकजुट होना चाहिए जिन्हें चुनाव में भाग लेने के लिए ''जेलों से रिहा किया जा रहा है।

फारूक ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन आसान नहीं था, लेकिन जम्मू-कश्मीर की पहचान बचाने के लिए यह जरूरी था। उन्होंने प्रशासन में ''बाहरी लोगों'' की नियुक्ति का मुद्दा भी उठाया। यह सोने का समय नहीं है। मैं जानता हूं कि फसलें (कटाई के लिए) तैयार हैं, लेकिन आपको एक दिन के लिए इस काम को टालना होगा और वोट देने के लिए बाहर निकलना होगा। हमें फूल (कमल) और जेल से रिहा हुए अन्य लोगों को हराना है। भगवान के लिए मुझे बताओ, उन्हें रिहा क्यों किया गया?'' अब्दुल्ला ने यहां से 52 किलोमीटर दूर अनंतनाग शहर में कांग्रेस-नेकां गठबंधन उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित रैली में कहा, कल तक वे सलाखों के पीछे थे। वे (भाजपा) जेल में बंद लोगों का इस्तेमाल मुसलमानों के दमन के लिए करना चाहते हैं। दुर्भाग्य से, उन्हें यह एहसास नहीं है कि उनके लिए जहन्नुम में एक खास जगह है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी रैली को संबोधित किया। अब्दुल्ला ने केंद्र में भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विभाजनकारी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी प्रधानमंत्री को ऐसा भाषण देते नहीं सुना। जब वह कहते हैं कि हिंदू महिलाओं का मंगलसूत्र छीन लिया जाएगा तो वह नफरत फैलाते हैं। फिर वह कहते हैं कि मुसलमान अधिक बच्चे पैदा करते हैं। फारूक ने कहा, भारत को कौन सी बात एकजुट रखती है? यह समानता और भाईचारा है। जब तक यह फूल (भाजपा का प्रतीक) भारत में है, तब तक देश मजबूत नहीं होगा। उनके द्वारा पैदा की गई दरारों के कारण देश को नुकसान उठाना पड़ेगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर कहा, यह गठबंधन करना आसान नहीं था, यह मुश्किल था। हालांकि, इस राज्य को बचाने और इसकी पहचान की रक्षा के लिए यह जरूरी था। आज सवाल यह है कि क्या जम्मू-कश्मीर के लोग सम्मान और गरिमा के साथ रह सकते हैं।

सिद्दरामय्या ने घोटालों की जांच तेज करने के पीछे प्रतिशोध की राजनीति के आरोप से किया इंकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में हुए घोटालों की जांच की समीक्षा और समन्वय के लिए मंत्रियों की समिति गठित करने को लेकर विपक्षी दल के 'बदले की राजनीति' के आरोपों को खारिज किया है। यह समिति पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुए विभिन्न घोटालों की सरकार और जांच एजेंसियों द्वारा छानबीन के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई की समीक्षा और समन्वय के लिए गठित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों की जांच में तेजी लाने के लिए समिति का गठन किया गया है और सरकार गलत काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से कहा, ''(विधानसभा में) बहस का जवाब देते हुए मैंने पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुए 21 से अधिक घोटालों का जिक्र किया था। इन सभी की जांच में तेजी लाने तथा इस संबंध में सरकार और मंत्रिमंडल को सलाह देने के लिए मंत्रिमंडलीय उप समिति का गठन किया गया है।'' कुछ मामलों की जांच के लिए पहले से ही जांच आयोगों के गठन पर उन्होंने कहा, सभी मामलों के लिए जांच आयोगों का गठन नहीं किया गया है। घोटाले या उपनिरीक्षक भर्ती, 40 प्रतिशत कमीशन, कोविड-19, बिटकॉइन जैसे मामलों के लिए जांच आयोगों का गठन किया गया है।

समिति जांच की प्रगति की समीक्षा करेगी तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए सरकार को सिफारिश करेगी। उन्होंने कहा, मैंने समिति से दो महीने में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। भाजपा द्वारा इस कदम को प्रतिशोध की राजनीति करार दिए जाने पर सिद्दरामय्या ने कहा, उन्होंने (मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण भूखंड आवंटन घोटाले के संबंध में) मेरे साथ क्या राजनीति की है?

उन्होंने कहा, हम प्रतिशोध की राजनीति नहीं करते, क्या हमने ऐसा तब किया था जब मैं पहले मुख्यमंत्री था? अब भी हमने ऐसा नहीं किया है, लेकिन हम उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे जिन्होंने गलत किया है...(ऐसे) मामलों की जांच में तेजी लाने के लिए समिति का गठन किया गया है।

वहीं, गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि मंत्रियों की समिति की बैठक इस हफ्ते होने की संभावना है। परमेश्वर ने कहा कि विभिन्न चरणों में लंबित प्रत्येक मामले की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों पर फैसला हो गया है जबकि कुछ पर फैसला होना है। मंत्री के मुताबिक, समीक्षा के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक कैबिनेट उपसमिति गठित की गई है। संभवत: इसी सप्ताह मैं समिति की बैठक बुलाऊंगा। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ऐसे मामलों की पहचान कर ली गई है और उनकी वस्तु-स्थिति रिपोर्ट मंत्रिमंडल को सौंपी जाएगी।

परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कि भाजपा शासन के दौरान 20-25 घोटाले हुए हैं और उन सभी की समीक्षा की जाएगी। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल, राजस्व मंत्री कृष्ण बी. गौड़ा, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे और श्रम मंत्री संतोष लाड समिति के सदस्य हैं।

मुख्यमंत्री पद खाली नहीं, मैं इस भूमिका में बना रहूंगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को स्पष्ट किया कि राज्य का मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है कि कोई भी इस पर कब्जा जमाने के लिए जोर-आजमाइश करे। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है क वह मुख्यमंत्री की भूमिका में बने रहेंगे। कर्नाटक के राज्यपाल ने कथित वैकल्पिक भूखंड आवंटन घोटाला मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी। सिद्दरामय्या ने राज्यपाल के इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इस बीच, नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं के मद्देनजर कांग्रेस के कुछ नेताओं ने मुख्यमंत्री बनने के लिए जोर-आजमाइश शुरू कर दी है। कुछ नेताओं ने तो खुलेआम इस पद पर काबिज होने की इच्छा जताई है।

बेंगलूरु में संवाददाताओं से मुखातिब सिद्दरामय्या ने एक सवाल के जवाब में कहा, किसी ने कोई बयान नहीं दिया है। किसी ने नहीं कहा है कि वह मुख्यमंत्री बनेगा। (मुख्यमंत्री की) कुर्सी खाली नहीं है, तो कोई क्यों कहेगा कि वह मुख्यमंत्री बनेगा। सब यही कह रहे हैं कि सिद्दरामय्या पद पर बने रहेंगे। जब उनसे पूछा गया कि कुछ नेताओं ने कहा है कि अगर सिद्दरामय्या निर्देश' देते हैं तो वह मुख्यमंत्री बनने को तैयार हैं, जवाब में सिद्दरामय्या ने कहा, ...जब पद खाली ही नहीं है, तो कोई ऐसा निर्देश क्यों देगा?

यह पूछे जाने पर कि क्या कुछ कांग्रेस नेताओं को मुख्यमंत्री पद खाली होने को लेकर संदेह है, सिद्दरामय्या ने कहा, कोई संदेह नहीं है। मैं पद पर बना रहूंगा।

दौरा

कर्नाटक राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बुधवार सुबह तिरुपति के पास तिरुमाला में श्रीवारी मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। राज्यपाल अपने परिवार और अधिकारियों के साथ कल रात बेंगलूरु से सड़क मार्ग से तिरुमाला पहाड़ी पर पहुंचे। रात्रि प्रवास के बाद राज्यपाल ने मंदिर का दौरा किया। उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की।

अपहरण और जबरन वसूली के आरोप में चार जीएसटी अधिकारी गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर अपराध शाखा पुलिस ने अपहरण और जबरन वसूली के एक कथित मामले में चार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां बेंगलूरु पूर्व डिवीजन के बयप्पनहल्ली पुलिस थाना में एक व्यापारी की शिकायत के आधार पर की गई हैं।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने बुधवार को बताया, एक उद्यमी केशव नामक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि करीब एक सप्ताह पहले चार से पांच लोग उसके घर आए और उसे जबरदस्ती वाहन में बिठाया और दो वाहनों में शहर भर में घुमाया तथा अपने कार्यालय भी ले गए और वहां उन्होंने उससे भारी रकम की मांग की। पुलिस आयुक्त ने यहां पत्रकारों से कहा, करीब 1.5 करोड़ रुपये देने के बाद उन्होंने उसे जाने दिया। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इसे अपराध शाखा को सौंप दिया गया।

अपराध शाखा के वरिष्ठ जीएसटी अधिकारियों से पुष्टि की कि इस तरह की कोई छापेमारी अधिकृत नहीं थी। उन्होंने कहा, इसलिए यह पाया गया कि इन लोगों ने अवैध धन हासिल करने के लिए जानबूझकर यह कार्य किया है।

प्राथमिकी के आधार पर, चार जीएसटी अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है, दो संभवत: अधीक्षक रैंक और दो निरीक्षक रैंक के अधिकारी हैं।

पुलिस ने भाजपा कार्यालय और आसपास सुरक्षा बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा चार लोगों के खिलाफ दायर आरोपपत्र में अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन वहां असफल 'आईईडी हमले' में आरोपियों की संलिप्तता का खुलासा होने के बाद यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय और उसके आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बेंगलूरु स्थित ब्रुकफील्ड के प्रसिद्ध कैफे में एक मार्च को हुए विस्फोट में नौ लोग घायल हुए थे और संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा था। इस संबंध में एनआईए ने नौ सितंबर को आरोपपत्र दाखिल किया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया, कैफे मामले में आरोपपत्र का विवरण सामने आने के बाद हमने भाजपा कार्यालय परिसर और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्होंने कहा, यहां नियमित रूप से सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी तैनात रहते हैं और साथ ही कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस की 25 कर्मियों की एक टीम भी तैनात रहती है। हमने अब तैनाती को बढ़ा दिया है और उन्हें कार्यालय परिसर के सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर कड़ी निगरानी रखने और जांच करने के लिए भी कहा है।

पुलिस ने पार्टी से 'मेटल डिटेक्टर' व 'डोर स्कैनर' लगाने और निगरानी के लिए सभी क्षेत्रों को सीसीटीवी कैमरों से कवर करने का भी निर्देश दिया है। आरोपपत्र के अनुसार, मुख्य आरोपियों में से दो आईएसआईएस (प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया) के कट्टरपंथी थे, जिन्होंने अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धोखाधड़ी से भारतीय सिम कार्ड हासिल किए और बैंक खाते खुलवाए। आरोपपत्र में बताया गया कि साथ ही उन्होंने ''डार्क वेब'' से डाउनलोड किए गए विभिन्न भारतीय और बांग्लादेशी दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया। बेंगलुरु की एक अदालत के समक्ष दायर आरोपपत्र में, एनआईए ने मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ को आरोपी बनाया है। एनआईए ने एक बयान जारी कर बताया कि इन सभी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था और वर्तमान में वे न्यायिक हिरासत में हैं।

हुब्बल्ली और कोचुवेली के बीच ओणम त्यौहार विशेष ट्रेनें

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने ओणम त्यौहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हुब्बल्ली-कोचुवेली-हुब्बल्ली सेक्टरों में विशेष ट्रेनों की अधिसूचना जारी की है।

ट्रेन संख्या 07333 हुब्बल्ली-कोचुवेली एक्सप्रेस स्पेशल शुक्रवार को 13 सितंबर को हुब्बल्ली से 06.55 बजे रवाना होगी और अगले दिन 06.45 बजे कोचुवेली पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 07334 कोचुवेली-हुब्बल्ली एक्सप्रेस स्पेशल शनिवार को 14 सितंबर को 12.50 बजे कोचुवेली से रवाना होगी और अगले दिन 12.50 बजे हुब्बल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2-एसी टू टियर कोच, 4-एसी थ्री टियर कोच, 10-स्लीपर क्लास कोच, 2-सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 2-द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

सिकंदराबाद - कोल्लम - सिकंदराबाद महोत्सव विशेष :

ट्रेन संख्या 07119 सिकंदराबाद-कोल्लम फेस्टिवल स्पेशल शुक्रवार को 13 सितंबर को 17.30 बजे सिकंदराबाद से रवाना होगी और अगले दिन 23.20 बजे कोल्लम पहुंचेगी। वापसी

दिशा में ट्रेन सं. 07120 कोल्लम-सिकंदराबाद त्यौहार विशेष रविवार 15 सितंबर को 02.30 बजे कोल्लम से रवाना होगी और अगले दिन 10.30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2-एसी टू टियर कोच, 5-एसी थ्री टियर कोच, 10-स्लीपर क्लास कोच, 2-सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 2-लगेज सह ब्रेक वैन। ट्रेन सं. 06071 कोचुवेली-निजामुद्दीन त्यौहार विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को, 20, 27 सितंबर, 04, 11, 18, 25 अक्टूबर, 01, 08, 15, 22, 29 नवंबर को 14.15 बजे कोचुवेली से रवाना होगी और तीसरे दिन 20.40 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन सं. 06072 निजामुद्दीन-कोचुवेली त्यौहार विशेष ट्रेन सोमवार को 23, 30 सितंबर, 07, 14, 21, 28 अक्टूबर, 04, 11, 18, 25 नवंबर और 02 दिसंबर को हजरत निजामुद्दीन से 04.10 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 14.15 बजे कोचुवेली पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 14-एसी थ्री टियर इकॉनमी कोच, 1-द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1-लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

सेमिनार

बुधवार को बेंगलूरु के गांधी भवन में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय रामकृष्ण हेगड़े की स्मृति में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा आयोजित सेमिनार के दौरान न्यायमूर्ति एचएन नागमोह दास, विधायक बीआर पाटिल, लेखक एलएन मुकुंदराज, पूर्व राज्यसभा सदस्य एल हनुमंतैया, पूर्व मंत्री बीटी ललिता नायक और अन्य।

राहुल ने आरक्षण के मुद्दे पर नेहरू की भावना का जिक्र किया : चलुवळी नारायणस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में अपनी यात्रा के दौरान आरक्षण रद्द करने का बयान दिया है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवळी नारायणस्वामी ने कहा कि उनके बयान से देश भर के विपक्षी दल और दलित समुदाय नाराज हैं। बुधवार को विधानसौधा में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता अब राहुल के बयान का जवाब दिए बिना ही उस पर पैच लगाने का काम कर रहे हैं। ये बात देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू ने उस वक्त कही थी कि आरक्षण कार्रवाई का सही तरीका नहीं है; इससे देश नहीं बचेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखा है कि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस पत्र को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में प्रस्ताव भी रखा था और पत्र का प्रदर्शन भी किया था।

राहुल ने आरक्षण को लेकर नेहरू के रवैये का भी जिक्र किया। कांग्रेस दलित विरोधी है, कांग्रेसी जो कहते हैं वही करते हैं। वे आरक्षण के ख़िलाफ़ हैं। चलुवळी ने आलोचना की कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए ऐसा कर रहे हैं।

कर्नाटक में दलितों का पैसा कहीं और ट्रांसफर कर दिया गया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि दलितों का पैसा लूटना आज लोगों के बीच एक बड़ी खबर है। उन्होंने लोगों से कांग्रेस की दलित विरोधी, आरक्षण विरोधी मानसिकता को समझने की अपील की। राहुल गांधी को उचित सबक सिखाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस कांग्रेस को भी सिखाने की जरूरत है, राहुल गांधी ने मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति की तरह भारत देश को बदनाम करने की आदत बना ली है। उन्होंने कहा कि हम समय-समय पर भारत की बदनामी देख रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधान परिषद सदस्य केशव प्रसाद मौजूद रहे।

बाइक की समस्या का समाधान न होने से गुस्साए युवक ने शोरूम में दोपहिया वाहनों में लगाई आग

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। उत्तर कर्नाटक के कलबुर्गी में 26 वर्षीय एक युवक को उसकी बाइक से जुड़ी समस्या का समाधान न होने पर ओला इलेक्ट्रिक शोरूम पहुंचकर वहां मौजूद कई दोपहिया वाहनों में आग लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपी मोहम्मद नदीम बाइक में समस्या की शिकायत लेकर कई बार शोरूम गया था, लेकिन उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ था। पुलिस के मुताबिक, नदीम पेट्रोल लेकर मंगलवार को शोरूम में घुसा और उसने कथित तौर पर छह बाइक में आग लगा दी। उसने बताया कि जल्द ही आग पूरे शोरूम में फैल गई। बाद में नदीम को गिरफ्तार कर लिया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, नदीम ने अगस्त में उक्त शोरूम से एक इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा था। अधिकारी ने बताया कि जब युवक को स्कूटर चलाने में समस्या आ रही थी, तब उसने शोरूम के कर्मचारियों से कई बार संपर्क किया, लेकिन उन्होंने उसकी समस्या को लगातार नजरअंदाज किया।

प्रस्तुति

बेलगावी में जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को आयोजित 'नम्मा शाले नम्मा जावबदारी' कार्यक्रम के लोगो के विमोचन के अवसर पर कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

नेतृत्व में बदलाव होने पर मैं मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश करूंगा : शिवशंकरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक एस. शिवशंकरप्पा ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक में नेतृत्व में बदलाव होने की स्थिति में यदि विधायक उनका समर्थन करते हैं तो वह भी मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पेश करेंगे। शिवशंकरप्पा (93) ने हालांकि कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या अच्छा प्रशासन चला रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जब तक उन्हें (सिद्दरामय्या को) आलाकमान का आशीर्वाद प्राप्त है, तब तक उन्हें ही पद पर बने रहने दीजिए।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''राजनीति में वरिष्ठ या कनिष्ठ का कोई सवाल नहीं है। निर्वाचित विधायकों का बहुमत जिसका समर्थन करता है, आलाकमान उसके लिए अनुमति देता है, यही परंपरा है। अगर (वैसी) स्थिति आती है, तो मैं भी दावेदारी पेश करूंगा।'' उनके पुत्र एस. एस. मल्लिकार्जुन, सिद्दरामय्या मंत्रिमंडल में मंत्री हैं, जबकि उनकी पुत्रवधू प्रभा मल्लिकार्जुन दावणगेरे से सांसद हैं। यह पूछे जाने पर कि सबसे वरिष्ठ विधायक होने के नाते क्या वह इस दौड़ में हैं, उन्होंने कहा, ''मैंने कहा है कि मैं (दावेदारी पेश) करूंगा। इसके लिए पहले विधायकों को मुझे स्वीकार करना और मेरा समर्थन करना होगा।'' शिवशंकरप्पा उन पार्टी नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करने की इच्छा जताई है, लेकिन साथ ही कहा है कि मौजूदा मुख्यमंत्री ही अपने पद पर बने रहेंगे। कर्नाटक के राज्यपाल ने कथित वैकल्पिक भूखंड आवंटन घोटाला मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। सिद्दरामय्या ने राज्यपाल के इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इस बीच, नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं के मद्देनजर कांग्रेस के कुछ नेताओं ने मुख्यमंत्री बनने के लिए जोर-आजमाइश शुरू कर दी है। सिद्दरामय्या ने बुधवार को स्पष्ट किया कि राज्य का मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है कि कोई भी इस पर कब्जा जमाने के लिए जोर-आजमाइश करे। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह मुख्यमंत्री के पद पर बने रहेंगे।

उत्पीड़न की कई शिकायतें करने वाली महिला का पता लगाए पुलिस : कर्नाटक उच्च न्यायालय

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य पुलिस को उस महिला का पता लगाने का निर्देश दिया जिसने पिछले एक दशक में नौ अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं। इनमें विभिन्न व्यक्तियों पर यौन उत्पीड़न, आपराधिक धमकी और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498 ए सहित अन्य प्रावधानों के तहत आरोप शामिल हैं। भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के अंतर्गत महिला अपने पति या पति के रिश्तेदार द्वारा क्रूरता की शिकायत दर्ज करा सकती है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने फैसले में कहा कि पुलिस थानों को महिला की शिकायतों का रिकार्ड रखना चाहिए तथा जब वह अतिरिक्त शिकायतें दर्ज कराने का प्रयास करे तो सावधानी बरतनी चाहिए।

राज्यपाल बागड़े आमेर दुर्ग पहुंचे, शिल्प सौंदर्य और स्थापत्य की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे बुधवार को आमेर स्थित शिला माता मंदिर पहुंचे। उन्होंने महिषासुर मर्दिनी स्वरूप माता के दर्शन कर पूजाअर्चना की। उन्होंने मां जगत जननी से राष्ट्र और प्रदेश के सुख, समृद्धि और सम्पन्नता के लिए प्रार्थना की। राज्यपाल ने बाद में ऐतिहासिक आमेर किले के दीवानएआम, शीश महल, केशर क्यारी, 27 कचहरी, गणेश पोल, मैजिकल फ्लावर आदि देखे। उन्होंने दुर्ग के शिल्प सौंदर्य और वास्तु विज्ञान को महत्वपूर्ण बताते हुए जल संरक्षण की परंपराओं से सीख लेने का आह्वान किया। उन्होंने किले की मिश्रित परशियन, मुगल और हिंदू शैली के मेहराब, गुम्बद और शिखर की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि यूनेस्को विश्व विरासत में शामिल आमेर किला राजस्थान ही नहीं पूरे देश का गौरव है। उन्होंने पर्यटन की दृष्टि से इसके वास्तु और कलात्मक पहलुओं का प्रभावी विपणन किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने वर्षा में हरियाली ओढ़े आमेर की पहाड़ियां के प्राकृतिक सौंदर्य पर मुग्ध होते हुए आमेर किले से दिख रहे दृश्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से आमेर किला बहुत महत्वपूर्ण है।

हवाई अड्डे पर हृदयाघात पीड़ितों की सेवा के लिए पांच स्वचालित एईडी मशीन लगाई गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अचानक हृदयाघात की स्थिति में पीड़ित की सेवा के लिए पांच स्वचालित एक्स्ट्रनल डिफ्रिबिलेटर (एईडी) मशीन लगाई गई हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डा भवन में अलग-अलग स्थानों पर ये मशीन लगाई गई हैं। स्वचालित एक्स्ट्रनल डिफ्रिबिलेटर (एईडी) मशीन पोर्टेबल डिवाइस है जिसका उपयोग अचानक हृदयाघात होने पर पीड़ित व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने के लिए किया जा सकता है। ये उपयोग में आसान है। इसमें एक स्वचालित 'वॉयस इंस्ट्रक्शन सिस्टम' है जिसे एक बटन दबाकर चालू किया जा सकता है।

हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इन एईडी मशीनों को हवाई अड्डा भवन में रखा गया है। ये मशीनें किसी को हृदयाघात की स्थिति में, पीड़ित की धड़कन बहाल करने के लिए तत्काल सहायता के रूप में बड़ी कारगर हैं।

इससे पीड़ितों के बचने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा किसी व्यक्ति को अचानक हृदयाघात होने पर आस-पास के कर्मचारी या यात्री एईडी का उपयोग कर सकते हैं और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। पूरी प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, हवाई अड्डे के कर्मचारियों, ड्यूटी मैनेजरों व हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए एक व्यापक सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया।

सीपीआर सत्र का आयोजन करने वाली रुक्मणी बिड़ला अस्पताल की कंसल्टेंट डॉ अपर्णा पांडे ने कहा कि सीपीआर सिर्फ कार्यस्थल के लिए नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा कौशल है जिसका इस्तेमाल कहीं भी, कभी भी किया जा सकता है, जिससे आप अपने समुदाय और घर में एक मूल्यवान संसाधन बन सकते हैं। डॉ पांडे ने कहा,'संकट के समय ये मशीनें जीवन रक्षक एजेंट के रूप में कार्य कर सकती हैं।'

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जोधपुर सर्किट हाउस में की जनसुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री एवं जोधपुर जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। दिलावर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनसुनवाई के माध्यम से आमजन से जुड़े सरकारी कार्यों का त्वरित समाधान कर राहत प्रदान की जा रही है।

जनसुनवाई के दौरान दिलावर ने जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण एवं फलोदी क्षेत्रों से आए आमजन की समस्याओं को सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। जनसुनवाई में आए परिवादियों ने शिक्षा, सड़क, चिकित्सा, विद्युत,पेयजल एवं पंचायतीराज विभाग सहित अन्य आमजन से संबंधित परिवेदनाएं मंत्री दिलावर को सौंपी। जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं के शीघ्रातिशीघ्र निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। दिलावर ने बुधवार को मसूरिया स्थित बाबा बालीनाथ मंदिर पहुंचकर बाबा रामदेवजी के गुरु पूज्य बाबा बालीनाथ की समाधि के दर्शन किए एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने अखंड ज्योति के भी दर्शन किए। दिलावर ने बाबा बालिनाथ और बाबा रामदेवजी से प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए कामना की।

रामदेवरा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के रामदेवरा कस्बे में इन दिनों चले रहे लोकदेवता बाबा रामदेवरा मेले के दौरान रामदेव मन्दिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मंगलवार रात पोकरण रेलवे स्टेशन की टिकिट खिड़की पर एक व्यक्ति द्वारा पर्ची छोड़कर रामदेवरा मन्दिर को मन्दिर में चढ़ाये जा रहे कपड़े के घोड़े में बम रखकर उड़ाने की धमकी दी गई हैं। इसके बाद पुलिस सहित सभी सुरक्षा एजेन्सियां सतर्क हो गई हैं।

इसके बाद पूरे रामदेवरा मेला को पुलिस एवं खुफिया एजेन्सियों ने अपने घेरे में लेते हुए वहां पर कड़ी सुरक्षा जांच पड़ताल करते हुए ऐतिहात के तौर पर निगरानी बढ़ा दी हैं।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि मंगलवार रात जिले के पोकरण रेलवे स्टेशन की टिकिट खिड़की पर किसी व्यक्ति ने एक पर्ची छोड़ी जिसमें लिखा था कि रामदेवरा मन्दिर में चढ़ाये जा रहे कपड़े के घोड़े में बम रखा हुआ हैं जिससे रामदेवरा मन्दिर को उड़ा दिया जायेगा। इस धमकी भरी पर्ची को टिकिट बाबू द्वारा जी.आर.पी के जरिये पुलिस के पास पहुंचने पर पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी हैं। श्रृद्धालुओं द्वारा लाये जा रहे कपड़ों के घोड़ो को गहन जांच पड़ताल में अंदर ले जाने के लिए अनुमति दी जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि पूरे क्षेत्र में कड़ी निगरानी व्यवस्था रखी गई हैं। सादी वर्दियों में पुलिस कर्मियों की तैनाती के साथ बम स्कॉयड व डॉग स्कॉयड दस्ते की तैनती की गई हैं जो श्रृद्धालुओं की गहन जांच पड़ताल के बाद उन्हें मन्दिर में प्रवेश दिया जा रहा हैं। हालांकि यह धमकी किसी शरारती तत्व का काम हो सकता हैं लेकिन पुलिस इसको हल्के में नहीं लेते हुए पूरी सतर्कता बरतते हुवें मेले की व्यवस्था को सुचारु बना रही हैं।

कपड़े के घोड़े हटाए गए

बाबा रामदेव समाधि समिति द्वारा चढ़ाए गए कपड़े के छोटे और बड़े घोड़े ट्रैक्टर में भरकर मंदिर से दो किलोमीटर दूर रणुजा कुएं पर ले जाए गए। इस प्रक्रिया के दौरान पोकरण के एएसपी गोपालसिंह भाटी, डीवाईएसपी भवानी सिंह, रामदेवरा एसएचओ शंकरलाल, रामदेवरा सरपंच समंदर सिंह, समाधि समिति के सदस्य और मंदिर के सुरक्षाकर्मी भी मौजूद थे। इस घटना के बाद, पोकरण और रामदेवरा रेलवे स्टेशनों पर जीआरपी और आरपीएफ द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया गया। रामदेवरा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ड्यूटी प्रभारी दुर्ग सिंह ने बताया कि धमकी भरा पत्र मिलने के बाद जीआरपी ने उन्हें सूचित किया। इसके बाद, उन्होंने जिला पुलिस अधिकारियों को इस बारे में जानकारी दी। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों के सामान की तलाशी ली जा रही है। इसी प्रकार, पोकरण रेलवे स्टेशन पर जीआरपी के हेड कॉन्स्टेबल पीरचंद ने बताया कि पत्र मिलने के बाद सभी संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई।

जोधपुर से ईआरटी कमांडो की टीम रात 12.50 बजे रामदेवरा पहुंची। उन्होंने मंदिर के आसपास तलाशी ली और रामदेवरा पुलिस से मामले की पूरी जानकारी प्राप्त की।

राजस्थान में जयपुर, श्रीगंगानगर, दिल्ली-पंजाब समेत कई जगह भूकंप के झटके, पाकिस्तान रहा केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान, दिल्ली और अन्य उत्तर भारतीय क्षेत्रों में दोपहर 12:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यह भूकंप पाकिस्तान के एक हिस्से में केंद्रित था और इसका प्रभाव भारत के कई राज्यों में देखा गया। हालांकि, झटके मामूली थे और इमारतों में केवल हल्की कंपन हुई। इस दौरान कोई बड़ा नुकसान होने की सूचना नहीं है। भूकंप केंद्र पर रिक्टर स्केल पर 5.8 तीव्रता बताई जा रही है। श्रीगंगानगर और उसके आसपास के क्षेत्रों, दिल्ली एनसीआर, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इन क्षेत्रों में भी कोई गंभीर क्षति की सूचना नहीं है, लेकिन लोगों ने अचानक आए झटकों से घबराहट का सामना किया। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के क्षेत्र में था। स्थानीय भूकंप विज्ञानियों के अनुसार, भूकंप की तीव्रता और गहराई के बारे में अभी पूरी जानकारी प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन इसकी वजह से भारत के कई हिस्सों में हल्की हलचल देखी गई।

भूकंप के झटकों के बाद, स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। शहरों में भूकंप के संभावित असर को कम करने के लिए सुरक्षा उपायों को भी चेक किया जा रहा है। स्थानीय लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी असामान्य स्थिति की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को दें और भूकंप के बाद की सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करें।

रिहायशी क्षेत्र में मगरमच्छ आने से मचा हडक़ंप

माउंट आबू। राजस्थान में प्रमुख पर्यटन स्थल माउंट आबू के देलवाड़ा स्थित धमाणी के आबादी क्षेत्र की बस्ती में एक भारी भरकम मगरमच्छ आने से लोगों में हडक़ंप मच गया। वन विभाग के बचाव दल ने मगरमच्छ को काबू कर जलाशय में सुरक्षित छोड़ दिया। रिहायशी क्षेत्र में मगरमच्छ के होने की खबर क्षेत्र में जंगल में लगी आग की तरह फैल गयी। इसी बीच, भीड़ में मौजूद मीठाराम ने वनपाल राजेश विश्नोई को इसकी सूचना दी। इसके बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी श्रवण कुमार विश्नोई के नेतृत्व में वनपाल मोहन चौधरी, राजेश बिश्नोई, वन रक्षक सवाराम आदि का बचाव दल मौके पर पहुंचा।

बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की अध्यक्षता में बुधवार को जोधपुर जिले के सर्किट हाउस में जल संसाधन विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उन्होंने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन सहित विभागीय परियोजनाओं की समीक्षा कर अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। जल संसाधन मंत्री रावत ने कहा बजट घोषणाओं सहित सभी परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में सेई नदी पर बांध निर्माण कार्य, सालगांव बांध निर्माण, बिलिया आरडब्लूआर एवं बतीसा नाला एमआईपी, राजीकावास बांध परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हुई। साथ ही, जवाई बांध से जोधपुर फीडर नहर जीर्णोद्धार, जोजड़ी नदी पुनरुद्धार की डीपीआर,गुढ़ामालानी नहरी तंत्र के सुदृढ़ीकरण,अरणियाली लिफ्ट माइनर एवं फूटिया बांध जीर्णोद्धार सहित बजट घोषणाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा हुई।

राजस्थान के कई इलाकों में कुछ और दिन भारी बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कई इलाकों में भारी व अति भारी बारिश का सिलसिला अभी कुछ दिन जारी रहने का अनुमान जताया है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक कम दबाव का क्षेत्र आज फिर अवदाब (डिप्रेशन) बन गया है और फिलहाल उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर बना हुआ है और आगामी 24 घंटे में इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर आगे बढ़ने का प्रबल अनुमान है।

मौसम केंद्र के अनुसार इसके प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में आगामी 3-4 दिन मानसून सक्रिय रहने व मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र के मुताबिक आज कोटा, भरतपुर संभाग में कुछेक स्थान पर भारी से अति भारी बारिश तथा जयपुर, अजमेर, उदयपुर संभाग में कुछेक स्थान पर भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। मौसम केंद्र ने कहा कि इसी तरह भरतपुर, जयपुर, कोटा व अजमेर संभाग में कुछेक स्थान पर भारी, अति भारी बारिश का दौर 12-13 सितंबर को भी जारी रहने की संभावना है। केंद्र ने कहा कि 14-15 सितंबर से राज्य में भारी बारिश में कमी होने तथा कुछ भागों में हल्के से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम केंद्र के मुताबिक बुधवार सुबह तक से पहले, चौबीस घंटे के दौरान राज्य में कई जगह हल्की से भारी बारिश दर्ज की गई।

निवेशकों को सरकारी दफ्तरों में नहीं खाने होंगे धक्के, सिंगल विंडो क्लियरेंस मिलेगी : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट 2024 के अंतर्गत राजस्थान आने वाले निवेशकों को अब अपनी समस्याओं के लिए सरकारी दफ्तरों के धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। क्योंकि सिंगल विंडो सिस्टम के तहत सभी तरह की क्लियरेंस होंगी। इसके अलावा उनके साथ समन्वय के लिए 25 से ज्यादा आईएएस अधिकारियों को लगाया गया है। ये अधिकारी उनके कांटेक्ट में रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कराएंगे। उद्योग वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बुधवार को मीडिया कर्मियों को यह जानकारी दी। इस दौरान उद्योग आयुक्त रोहित गुप्ता भी मौजूद रहे। राठौड़ ने कहा कि पिछली सरकार के समय हुए इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान खराब अनुभवों को लेकर गए उद्योगपतियों को पुनः राजस्थान में लाना बड़ी चुनौती है। लेकिन, हम कोशिश कर रहे हैं कि राजस्थान को व्यापार के लिए अनुकूल बनाया जाए। इसके लिए बड़े पैमाने पर प्रशासनिक सुधार किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत व्यवसाय करने की लागत में कमी लाना और लालफीताशाही को करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका प्रमाण यह है कि अधिकांश एमओयू ऑनलाइन हो रहे हैं। इसके लिए मोबाइल एप भी बनाया गया है। इंडस्ट्री के लिए जमीन और राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं आदि की जानकारियां ऑनलाइन ही उपलब्ध हैं। राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही स्विटजरलैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है। इसका भारत को बहुत बड़ा लाभ मिलने वाला है। इसी कड़ी में हम 9 देशों में जाकर इंवेस्टर्स मीट कर रहे हैं ताकि वहां के निवेशकों को राजस्थान लाया जा सके।

राठौड़ ने कहाकि पिछली सरकार ने अपने चौथे साल में इंवेस्टमेंट समिट किया था। उस पर 100 करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए। लेकिन, राजस्थान को कोई फायदा नहीं मिला। अधिकांश एमओयू फाइलों में हैं। जबकि हम सभी एमओयू को धरातल पर लाने का काम कर रहे हैं। इसके लिए पूरी सरकार एक टीम के तौर पर काम कर रही है। अभी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा टीम के साथ विदेश गए हुए हैं। वे खुद भी 16 से 20 सितंबर तक यूएई और कतर समेत गल्फ कंट्रीज का दौरा करेंगे। इससे पहले मुंबई में 30 अगस्त को हुई इंवेस्टर मीट में 4.50 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हो चुके हैं।

उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार में रीको के माध्यम से जमीनें नीलाम करके पैसा बनाया गया। यह पैसा कहां लगा, इसका जवाब वे विधानसभा में दे चुके हैं। उस समय निवेश लाने में कुछ नेताओं और अफसरों ने अपना निजी फायदा देखा था। जबकि अब

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में पूंजी निवेश लाने के लिए सरकार ने कुछ कोर सेक्टर तय किए हैं। इनमें कृषि, अक्षय ऊर्जा, शिक्षा और कौशल, ऑटो और ईवी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, केमिकल और पेट्रो केमिकल, पर्यट, स्टार्टअप, खनन और ईएसडीएम, आईटी और आईटीईएस समेत कई सेक्टर हैं। एंसलरी यूनिट और अन्य सेवा क्षेत्रों के माध्यम से राजस्थानी युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। कर्नल राठौड़ ने एक अन्य सवाल के जवाब में बताया कि राजस्थान के लोग व्यापार में कुशल हैं। दूसरे प्रदेशों और विदेशों में उन्होंने अपनी व्यावसायिक कुशलता का लोहा मनवाया है। उन्हें भी अपनी माटी (मातृभूमि) से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए राइजिंग राजस्थान के तहत प्रवासी राजस्थानियों के लिए अलग से विशेष सत्र रखा जाएगा।

अटल भू जल योजना प्रभारी मंत्री ने किया होर्डिंग का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संरक्षण को बढ़ावा देने व भू जल के गिरते स्तर को रोकने के लिए चलाई जा रही महत्वपूर्ण अटल भू जल योजना के होर्डिंग का अनावरण जैसलमेर जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत द्वारा किया गया। प्रभारी मंत्री ने योजना के तहत भू जल स्तर बढ़ाने के साथ लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। योजना के अध्यक्ष व जिला कलक्टर महोदय ने अतिथियों को योजना की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि जिले की पंचायत समिति जैसलमेर, नाचना व मोहनगढ़ में संचालित हो रही इस योजना में, योजना से जुड़े विभागों को जल संरक्षण के कार्यों पर प्रोत्साहन राशि का भुगतान हो रहा है। योजना के नोडल अधिकारी डॉ नारायण दास इणखिया ने बताया कि योजना से जिले में किसानों को सर्वाधिक लाभ हो रहा है। योजना के तहत अब तक डिग्गी, फव्वारा,उन्नत बीजों के मिनिकिट, पाइप लाइन व फार्म पोंड के तहत 13 हजार 817 किसानों को लाभान्वित किया जा चुका है। योजना के तहत जिले में अब तक कृषि विभाग को 10 करोड़ 65 लाख रुपये अनुदान के रूप में मिल चुके है। जिला कलक्टर सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री के साथ जैसलमेर विधायक छोटू सिंह भाटी, जिला प्रमुख प्रताप सिंह सोलंकी, योजना के अध्यक्ष व जिला कलक्टर प्रताप सिंह ङ्गसहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राधा अष्टमी के अवसर पर बरसाना में सैंकड़ों लोगों ने राधा रानी के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। राधा अष्टमी के अवसर पर बुधवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बरसाना के लाडली मंदिर में राधा रानी की पूजा की और उन्हें 51 क्विंटल दूध, दही, शहद और अन्य वस्तुओं से स्नान कराया गया। बाद में उन्हें 31 लाख रुपए की पोशाक और आभूषणों से सजाया गया।

अभिषेक (स्नान) समारोह सुबह ब्रह्म मुहूर्त के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आयोजित किया गया। लाडली मंदिर के पुजारी रास बिहारी गोस्वामी ने कहा, 51 क्विंटल दूध, दही, शहद, खांडसारी, घी और ग्यारह प्रकार की जड़ी-बूटियों के मिश्रण से अभिषेक किया गया। पुजारी ने कहा, इसके बाद 'आरती' की गई और सोने के पालने में 'दर्शन' किया गया।

'राधे-राधे' के मंत्रों के बीच 31 लाख रुपए से अधिक मूल्य की 'पोशाक' और आभूषणों से राधा रानी को सजाया गया। उन्होंने कहा कि उत्सव में भाग लेने के लिए मंदिर में एकत्र हुए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने धार्मिक गीत गाते हुए गहवर वन की 'परिक्रमा' की। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) त्रिगुण बिशेन ने कहा कि क्षेत्र में श्रद्धालुओं का तांता लगने बावजूद किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। वृन्दावन के राधा बल्लभ मंदिर में भी राधा अष्टमी मनाई गई। मंदिर के पुजारी मोहित मराल गोस्वामी ने कहा कि पुजारियों ने एक घेरे में नृत्य किया, राधा प्यारी ने जन्म लियो है, कुंवर किशोरी ने जन्म लियो है गाया और आधे घंटे तक समूह पर हल्दी मिश्रित दही छिड़क कर जश्न मनाया। द्वारकाधीश मंदिर के कानूनी सलाहकार और जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) राकेश तिवारी ने कहा कि रावल गांव के मंदिरों, द्वारकाधीश मंदिर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान के केशव देव मंदिर, वृंदावन के चंद्रोदय मंदिर और बृजभूमि के अन्य मंदिरों में भी अभिषेक समारोह आयोजित किया गया।

जलवायु परिवर्तन से निपटने का मुद्दा अहम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ऊर्जा के नए क्षेत्रों जैसे हरित हाइड्रोजन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि यह भविष्य का मामला नहीं है बल्कि अब इस दिशा में कार्रवाई की आवश्यकता है।

'ग्रीन हाइड्रोजन इंडिया 2024' पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को एक वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा, दुनिया एक महत्वपूर्ण बदलाव से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन केवल भविष्य का मामला नहीं है बल्कि इसका प्रभाव अभी से महसूस किया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बचने के लिए प्रयास करने का समय यही और अभी है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन और स्थिरता वैश्विक नीतिगत चर्चा का केंद्र बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ और हरित धरती बनाने की दिशा में राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि भारत हरित ऊर्जा पर अपने पेरिस संकल्पों को पूरा करने वाले पहले जी20 देशों में से एक है। उन्होंने कहा, ये संकल्प 2030 के लक्ष्य से 9 साल पहले ही पूरी हो गए। पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता में लगभग 300 प्रतिशत और सौर

ऊर्जा क्षमता में 3,000 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा, हम इन उपलब्धियों पर आराम नहीं कर रहे हैं बल्कि राष्ट्र मौजूदा समाधानों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और साथ ही नए तथा अभिनव क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही हरित हाइड्रोजन की तस्वीर सामने आती है। प्रधानमंत्री ने कहा, हरित हाइड्रोजन दुनिया के ऊर्जा परिदृश्य में आशाजनक विकल्प के रूप में उभर रहा है। हरित हाइड्रोजन उन उद्योगों को वातावरण से कार्बन डाय-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों को हटाने (डीकार्बोनाइज़ेशन) में मदद कर सकता है, जिनका विद्युतीकरण करना मुश्किल है। उन्होंने रिफाइनरियों, उर्वरकों, इस्पात, भारी शुल्क वाले परिवहन और कई अन्य क्षेत्रों का उदाहरण दिया, जिन्हें इससे लाभ होगा। मोदी ने यह सुझाव भी दिया कि हरित हाइड्रोजन का उपयोग अधिशेष अक्षय ऊर्जा के भंडारण समाधान के रूप में किया जा सकता है। साल 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने भारत को हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लक्ष्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन नवाचार, बुनियादी ढांचे, उद्योग और निवेश को बढ़ावा दे रहा है।

पहले 'बचकानी गतिविधियां' करते थे राहुल, अब हैं 'खतरनाक और शरारतपूर्ण गतिविधियों' में लिप्त : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अमेरिकी सांसद इल्हान उमर और अन्य से राहुल गांधी की मुलाकात को लेकर बुधवार को कांग्रेस नेता की आलोचना की तथा आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भारत-विरोधी रुख के लिए 'बदनाम' लोगों से विदेशों में मुलाकात कर 'खतरनाक और शरारतपूर्ण गतिविधियों' में शामिल हो रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गांधी पहले 'बचकानी गतिविधियों' में लिप्त रहते थे, लेकिन अब वह 'खतरनाक और शरारतपूर्ण गतिविधियों' में लिप्त हैं। उन्होंने कहा, भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि एक नेता प्रतिपक्ष ने घोषित भारत-विरोधी सांसद से मुलाकात की और अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की, जो अपने भारत-विरोधी रुख और बयानों के लिए बदनाम हैं।

सिख समुदाय पर नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने भी उनका(गांधी का) समर्थन किया है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि इसी के साथ राहुल गांधी ने भारत-विरोधी मित्रों की अपनी सूची में एक नया दोस्त जोड़ा है। त्रिवेदी ने संवाददाता सम्मेलन में पत्रकार मुशफिकुल फजल के साथ राहुल की एक तस्वीर भी दिखाई और कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए उनपर वैसे लोगों से मिलने का आरोप लगाया जो भारत-विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। भाजपा नेता ने कहा, यह वही पत्रकार हैं जिसने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के संबंध में सवाल पूछा था और वह राहुल के साथ सेल्फी ले रहे हैं। त्रिवेदी ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत के खिलाफ 'जहर उगलने' को लेकर उनकी आलोचना की और अमेरिकी सांसद उमर तथा अन्य के साथ उनकी मुलाकात को 'बेहद गंभीर' बताया। उन्होंने कहा, उमर उन अमेरिकी सांसदों में से एक हैं जिन्हें पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की यात्रा पर लेकर गई थी। उन्होंने कई बयान दिए हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मुस्लिम ब्रदरहुड और आईएसआई (पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी) के प्रति उनकी सहानुभूति दिखाते हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल की मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए 'एक्स' पर कहा, लाल घेरे में यह महिला अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता इल्हान उमर है। खालिस्तान तथा कश्मीर अलग देश बनाने का लगातार समर्थन करती है। अभी अमेरिका में राहुल गांधी जी इसी एजेंडे के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। गांधी अमेरिका की चार-दिवसीय यात्रा पर हैं। उनका पहला पड़ाव शनिवार को डलास में था।

ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष ने एएसआई को खुदाई की अनुमति देने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष ने बुधवार को यहां एक अदालत से अनुरोध किया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को सर्वेक्षण के लिए परिसर में खुदाई करने की अनुमति दी जाए। एक वकील ने यह जानकारी दी।

वकील ने कहा कि न्यायाधीश ने ज्ञानवापी परिसर के शेष हिस्सों के एएसआई सर्वेक्षण के अनुरोध संबंधी याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख 18 सितंबर तय की है। मुस्लिम पक्ष के प्रतिनिधि अदालत में मौजूद थे और उम्मीद है कि अगली सुनवाई के दौरान वे इस मामले पर अपनी राय रखेंगे। मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि सीनियर डिवीजन त्वरित अदालत के सिविल न्यायाधीश जुगल शंभू ने हिंदू पक्ष को सुनने के बाद नई तारीख तय की। यादव ने कहा, हिंदू पक्ष ने मामले में दलील पूरी कर ली। हमने एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) को सर्वेक्षण के लिए परिसर में खुदाई करने की अनुमति देने का भी अनुरोध किया है। यादव ने कहा कि हिंदू पक्ष ने तर्क दिया है कि ज्योतिर्लिंग का मूल स्थान ज्ञानवापी परिसर में स्थित कथित मस्जिद के गुंबद के नीचे बीच में है।

अवैध धर्मांतरण मामले में दोषी 12 लोगों को उम्रकैद और चार लोगों को 10-10 साल की सजा

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ने अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में दोषी करार दिए गए मोहम्मद उमर गौतम और मौलाना कलीम सिद्दीकी समेत 12 लोगों को बुधवार को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाई। अदालत ने सभी को मंगलवार को दोषी करार दिया था और बुधवार को सजा का ऐलान किया गया। अदालत द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने मोहम्मद उमर गौतम, मौलाना कलीम सिद्दीकी, इरफान शेख, सलाउद्दीन जैनुद्दीन शेख, प्रकाश रामेश्वर कावड़े उर्फ आदम, भुप्रिय बन्दो उर्फ अर्सलान मुस्तफा, कौशर आलम, फराज वाबुल्लाशाह, धीरज गोविंद राव जगताप, सरफराज अली जाफरी, काजी जहांगीर और अब्दुल्ला उमर को भारतीय दंड संहिता की धारा 121 ए (राष्ट्रद्रोह) के तहत आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

अवसरवादी लोग बीजद छोड़ रहे हैं: नवीन पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने अपनी पार्टी के दो राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफा देकर सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बुधवार को उन्हें ''अवसरवादी'' करार दिया। बीजद की युवा शाखा, बीजू युवा जनता दल के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पटनायक ने कहा, बीजद छोड़ने वाले अवसरवादी लोग समृद्ध ओडिशा के दृष्टिकोण के लिए हमारी लड़ाई में हमें और मजबूत करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री पटनायक की टिप्पणी कुड़मी समुदाय की नेता ममता मोहंता और कालाहांडी के नेता सुजीत कुमार पर लक्षित थी, जिन्होंने हाल में राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे।

पटनायक ने इस बात पर जोर दिया कि बीजद की स्थापना पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक के सिद्धांतों पर हुई थी, जिन्होंने एक विकसित और सशक्त ओडिशा की कल्पना की थी। उन्होंने कहा, जब तक हम बीजू बाबू के दृष्टिकोण के अनुरूप काम करते रहेंगे, बीजद मजबूत रहेगी और लोगों के दिलों में बसती रहेगी। बीजद किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर नहीं है; यह विकसित ओडिशा के सपने पर आधारित है। उन्होंने युवाओं से इस दृष्टिकोण को अपनाने और इसे प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम करने का आग्रह किया। सोशल मीडिया मंचों के महत्वपूर्ण प्रभाव को देखते हुए, पटनायक ने युवाओं को मंचों पर सक्रिय रहने और गलत सूचनाओं और झूठ का डटकर मुकाबला करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आंगनबाड़ी की महिलाओं को बाल मनोविज्ञान का अध्ययन कराएं: राज्यपाल आनंदीबेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को यहां उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है कि आंगनबाड़ी में कार्यरत महिलाओं को बाल मनोविज्ञान का अध्ययन कराया जाए।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, छोटे-छोटे बच्चों की भावनाएं क्या हैं, उनकी जरूरतें क्या हैं यह समझने के लिए और बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास की समझ के लिए बाल मनोविज्ञान का पाठ्यक्रम लाना जरूरी है। राज्यपाल ने कहा, इस देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महिलाओं का शिक्षित होना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूरा होगा जब महिलाएं शिक्षित होंगी। आनंदीबेन ने कहा कि कारागारों को भी अध्ययन केंद्र बनाया जाना चाहिए और ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाया जाना चाहिए। राज्यपाल ने इस विश्वविद्यालय को विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने का प्रयास करने का भी निर्देश दिया और कहा कि इसके लिए विश्वविद्यालय अपने 12 क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश का लक्ष्य निर्धारित करे। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि और दक्षिण बिहार केंद्रीय विवि, बोधगया के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा, हमारी शिक्षा व्यवस्था भारतीय सांस्कृतिक मूल्य और भारतीय जीवन दृष्टि के अनुरूप होनी चाहिए तभी हम एक समावेशी भारत को मूर्त रूप दे सकेंगे। सिंह ने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन का स्मरण करते हुए कहा कि टंडन जी ने अपने तपोनिष्ठ जीवन में नैतिकता और संयम की मर्यादा का पालन किया।

आरक्षण को लेकर राहुल गांधी, आंबेडकर के विचारों में कोई अंतर नहीं : हरीश रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर के आरक्षण को लेकर विचारों में कोई अंतर नहीं है।

रावत ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस का मानना है कि जब तक समाज में असमानता है, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग वंचित हैं, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। यही विचार बाबा साहेब का भी था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आरक्षण विरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर आरक्षण को किसी से खतरा है तो वह भाजपा की कट्टरवादी सोच से है। रावत ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों सहित विश्व के मंचों पर सभी प्रकार के प्रश्नों का जवाब देते हैं जबकि इसके उलट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन सबसे बचते हैं। उन्होंने कहा, भाजपा इस विरोधाभास को अपने झूठ से ढकना चाहती है। रावत ने देश के अंदर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़ा वर्ग, हर प्रकार के अल्पसंख्यक और महिलाओं को वर्तमान में सबसे ज्यादा असुरक्षित बताते हुए कहा कि ये सारे वर्ग भाजपा की सांप्रदायिक, असहिष्णुतावादी और धार्मिक नफरत फैलाने वाली सोच से असुरक्षित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इसका परिणाम भी स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहा है जहां न केवल तथाकथित गौ रक्षकों के आवरण में पीट-पीट कर अल्पसंख्यकों को मारा जा रहा है बल्कि दलित और वंचित वर्ग की बेटियां सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं और उनकी हत्याएं हो रही हैं।

ओडिशा सरकार ने निर्माण श्रमिकों के लिए अनुग्रह राशि बढ़ाकर छह लाख रुपए की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने कार्यस्थल पर किसी निर्माण श्रमिक की आकस्मिक मृत्यु होने पर उसके परिवार को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को बढ़ाकर छह लाख रुपए करने की घोषणा बुधवार को की।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने निर्माण श्रमिकों के एक सम्मेलन में शिरकत के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मौजूदा चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि को बढ़ाकर छह लाख रुपए किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निर्माण श्रमिकों की काम के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर उसके परिजनों को छह लाख रुपए की अनुग्रह राशि देगी। माझी ने घोषणा की कि राज्य सरकार निर्माण श्रमिकों को काम के दौरान प्राकृतिक मृत्यु होने की स्थिति में भी तीन लाख रुपए की अनुग्रह राशि देगी। उन्होंने कहा कि पहले इस मद में अनुग्रह राशि दो लाख रुपए थी।

माझी ने दावा किया कि वह जनता की सरकार के मुखिया हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वयं ही अनुग्रह राशि बढ़ाने की घोषणा की है और निर्माण श्रमिकों की ओर से कोई ऐसा अनुरोध नहीं आया था। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की स्थिति को समझती है।

मणिपुर के लिए प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार जिम्मेदार, गृह मंत्री को बर्खास्त किया जाए: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मणिपुर में हिंसा के लिए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त किया जाना चाहिए क्योंकि ''वह पूरी तरह से विफल रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता और सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के अलग अलग देशों का दौरा किया, लेकिन उन्हें मणिपुर जाने का समय नहीं मिला। इनर मणिपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद विमल अकॉयजोम कहा कि मणिपुर की स्थिति को उस तरह से नहीं देखा जाना चाहिए जैसे यूरोपीय देशों ने रवांडा में हिंसा के समय देखा था। मणिपुर सरकार ने छात्रों के उग्र आंदोलन के बीच मंगलवार को पूरे राज्य में इंटरनेट सेवा पांच दिन के लिए निलंबित कर दी। इस महीने की शुरुआत में मणिपुर में हिंसा का नया दौर शुरू हो गया। पिछले साल मई में शुरू हुई हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश : समाजवादी पार्टी विधायक के घर से मुक्त कराई गई नाबालिग लड़की

भदोही/भाषा। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक जाहिद बेग के घर में काम करने वाली 14 वर्षीय एक लड़की को पुलिस और श्रम प्रवर्तन विभाग ने छापेमारी के बाद मुक्त कराकर एक सामाजिक संस्था को देख-रेख के लिए सौंप दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अजय कुमार चौहान ने बुधवार को बताया कि सपा विधायक जाहिद बेग के घर में बाल मजदूरी कर रही लड़की को मंगलवार को भदोही पुलिस और श्रम प्रवर्तन विभाग के कर्मियों ने छापेमारी के बाद छुड़ाया था। उन्होंने बताया कि लड़की को श्रम प्रवर्तन अधिकारी जेपी सिंह और पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) ने बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष पीसी उपाध्याय के समक्ष पेश किया। समिति ने आदेश दिया कि नाबालिग को 'वन स्टॉप सेंटर' सामाजिक संस्था की देखरेख में रखा जाए। श्रम प्रवर्तन अधिकारी जे. पी. सिंह ने बताया कि विभाग ने बच्ची को मुक्त कराया है लेकिन महकमा इस मामले में कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराएगा।

रोहित, कोहली और पंत होंगे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बड़े खिलाड़ी : नाथन लियोन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन का कहना है कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट शृंखला में रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत का प्रदर्शन देखने लायक होगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की शृंखला 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रही है जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। लियोन ने यह भी चेतावनी दी है कि मेहमान टीम के पास इन बड़े

खिलाड़ियों के अलावा एक शानदार लाइन-अप है जिससे मेजबान टीम के लिए चीजें काफी चुनौतीपूर्ण होंगी। उन्होंने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत शायद तीन बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे। लेकिन फिर भी आपके पास यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रविंद्र जडेजा हैं। मुझे नहीं पता कि और अन्य पांच खिलाड़ी कौन होंगे।

हालांकि लियोन को भरोसा है कि अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम लंबे समय तक गेंदबाजी इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करती है तो यह उनके लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा, लेकिन उनके पास एक बेहतरीन लाइन-अप है इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होगी। जैसा कि मैंने कहा कि अगर हम एक गेंदबाजी ग्रुप के तौर पर लंबे समय तक अच्छे रहे तो उम्मीद है कि हम उनके डिफेंस को चुनौती दे सकते हैं। 2014-15 में घरेलू मैदान पर अपनी आखिरी शृंखला में जीत के बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम शृंखला जीतने में विफल रही है। तब से भारतीयों ने लगातार चार मौकों पर शृंखला जीती है जिसमें से दो बार उन्होंने घरेलू मैदान और दो बार प्रतिद्वंद्वी के मैदान पर जीत दर्ज की है जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए एक रिकॉर्ड है।

इसके अलावा भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शृंखला जीतने वाली एकमात्र एशियाई टीम भी बन गई और टीम ने कई मौकों पर खिताब जीता। कुल मिलाकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की बात करें तो भारत सबसे सफल टीम है जो 10 बार इसे जीत चुकी है और उसने एक बार खिताब भी बरकरार रखा है।

बंगाल सरकार ने आंदोलनकारी चिकित्सकों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने यहां आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की घटना से उत्पन्न गतिरोध पर बातचीत के लिए बुधवार को आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों को आमंत्रित किया। सरकार ने उन्हें बुधवार शाम छह बजे राज्य सचिवालय 'नबान्न' में होने वाली बैठक में शामिल होने को कहा है। इस बीच, आंदोलनकारी चिकित्सकों ने जवाबी पत्र भेजकर मांग की कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री मौजूद रहें और बैठक में 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को शामिल होने की अनुमति दी जाए। इससे पहले दिन में तीन बजकर 49 मिनट पर आंदोलनकारी जूनियर चिकित्सकों ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक ई-मेल भेजकर गतिरोध पर चर्चा के लिए समय मांगा था। जिसके जवाब में सरकार की ओर से उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित करते हुए 12-15 प्रतिनिधियों के इसमें शामिल होने को कहा गया था। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने पत्र में कहा, हम आपके प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित करते हैं, जिसमें 12-15 सहकर्मी शामिल हों, जो आज (बुधवार) शाम छह बजे 'नबान्न' में चर्चा के लिए शामिल हों। कृपया अपने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की सूची ईमेल द्वारा भेजें। हम आपकी सकारात्मक प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहे हैं और एक सार्थक बातचीत की उम्मीद करते हैं। हालांकि, इसमें यह उल्लेख नहीं किया गया है कि बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री ममता बनर्जी करेंगी या नहीं।

सुविचार

**हर बात मानी है तेरी सिर झुका
कर ऐ ज़िंदगी, हिसाब बराबर कर
तू भी तो कुछ शर्तें मान मेरी!**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर सुरक्षा और देश की प्रगति

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बताकर देश की प्रगति के लिए एक अनिवार्यता का उल्लेख किया है। आज इंटरनेट जिस तरह रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन गया है, वहां साइबर सुरक्षा की ओर बहुत ध्यान देने की जरूरत है। लोगों को मोबाइल फोन चलाना, इंटरनेट के जरिए विभिन्न सेवाओं का इस्तेमाल करना तो आ गया, लेकिन साइबर सुरक्षा के बारे में पर्याप्त जानकारी हासिल करना बाकी है। यह जानकर ताज्जुब होता है कि इन दिनों साइबर ठग आम लोगों को तो खूब चूना लगा ही रहे हैं, वे अत्यंत उच्च शिक्षित एवं बड़े पदों पर सेवारत / सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी धड़ल्ले से लूट रहे हैं! कई लोगों की ज़िंदगीभर की बचत साइबर ठगों ने चुटकियों में उड़ा ली। डिजिटल पेमेंट को देश की अर्थव्यवस्था के बेहतर भविष्य के तौर पर देखा जाता है, लेकिन साइबर ठग इसको जरिया बनाते हुए लोगों के बैंक खातों में सेंध लगा रहे हैं। जिस व्यक्ति के साथ एक बार साइबर ठगी हो जाती है, उसका डिजिटल पेमेंट से भरोसा कम हो जाता है। वह परंपरागत ढंग से (नकद) लेनदेन को प्राथमिकता देने लगता है। साइबर ठगों ने जिस तरह लूट मचा रखी है, उसके सामने आम आदमी खुद को असहाय महसूस करता है। सरकार को उन अपराधियों पर नकेल कसने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे, जो लोगों की मेहनत की कमाई पर डाका डाल रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए अगले पांच साल में 5,000 साइबर कमांडो को प्रशिक्षित करने और उन्हें तैयार करने की योजना बनाने की बात कही है। इससे साइबर अपराधों से निपटने में मदद जरूर मिलेगी। इसके साथ ही उन तौर-तरीकों को विकसित करने पर जोर देना चाहिए, जिससे किसी के बैंक खाते से राशि उड़ाना बहुत मुश्किल हो। अगर इसके लिए लेनदेन की कोई सीमा या अवधि तय करनी हो और डिजिटल सुरक्षा कवच विकसित करना हो तो वह भी किया जाए। देश के पास उच्च कोटि के तकनीकी विशेषज्ञ हैं। उनके सहयोग से डिजिटल लेनदेन निश्चित रूप से अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है।

साइबर ठग डिजिटल माध्यम से जो राशि उड़ाते हैं, वह एक निश्चित अवधि तक उस तंत्र में ही रहती है। वह किस खाते से उड़ाई गई, किस खाते में जमा की गई, कहां से निकाली गई ... जैसे बिंदुओं का पता जांच एजेंसियां आसानी से लगा सकती हैं। साइबर ठगों की संपूर्ण गतिविधियों के निष्कर्ष के आधार पर एक ऐसी प्रभावी प्रणाली विकसित की जाए, ताकि वे किसी व्यक्ति के बैंक खाते से राशि न उड़ा सकें। अगर वे किसी कारणवश राशि उड़ाने में कामयाब हो भी जाएं तो जिस खाते में राशि जमा हुई है, उस पर बहुत आसानी से तथा तुरंत रोक लगाने की व्यवस्था हो। आम जनता को इसकी जानकारी भी हो। भविष्य में उस खाते को बंद कर दिया जाए और साइबर ठगों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। अभी स्थिति यह है कि अगर आम आदमी साइबर ठगी का शिकार हो जाए तो उसे पता ही नहीं होता कि अब क्या करना है! वह अपने बैंक से संपर्क करता है। पेमेंट ऐप के हेल्प लाइन नंबर तलाशता है। पुलिस के पास भी जाता है। अगर इस बीच कहीं से राहत मिल जाए तो ठीक, अन्यथा इसे ही अपना भाग्य समझकर संतोष कर लेता है। ऐसे बहुत मामले सामने आए हैं, जब लोगों ने रुपए गंवाने के बाद अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर लगाए, लेकिन वे खाली हाथ ही रहे। इन दिनों साइबर ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम से लूटने का नया तरीका ढूंढ़ लिया है। लोगों के पास फोन आ रहे हैं कि आपके आधार नंबर पर जारी सिम कार्ड का अवैध उपयोग हो रहा है ... उससे बैंक खाता खोलकर मनी लॉन्ड्रिंग की जा रही है ... आपके नाम से पार्सल में मादक पदार्थ, फर्जी पासपोर्ट आदि बरामद हुए हैं ... लिहाजा आपको 'डिजिटल अरेस्ट' किया जा रहा है। उसके बाद पीड़ित को भरोसे में लेकर उसे 'छोड़ने' के लिए कुछ शर्तें रखी जाती हैं। पीड़ित अपना पीछा छुड़ाने के लिए शर्तें मान लेता है। वह अपने बैंक खाते संबंधी विवरण तो देता ही है, अपनी पूरी राशि भी ठगों के खाते में भेज देता है। उसे इस बात का भरोसा दिलाया जाता है कि 'अगर आप जांच में निर्दोष पाए गए तो यह राशि आपको वापस भेज दी जाएगी ... अभी यह सरकार के खाते में जमा हो रही है।' जब उसे सच्चाई का पता चलता है, तब तक बहुत देर हो जाती है। ठगों ने यह पैंतरा आजमाकर बड़े-बड़े अधिकारियों को लूट लिया। कई पीड़ित तो बैंक और पुलिस विभाग में काम कर चुके हैं! ऐसी घटनाओं के पीछे एक बड़ी वजह यह भी है कि लोग अपने मोबाइल फोन पर आई हर चीज को सच मान लेते हैं, जबकि ख़बरों का सबसे ज्यादा विश्वसनीय एवं सुरक्षित माध्यम 'अख़बार' तो इस संबंध में कई बार चेतावनी दे चुका है। जो ख़बरें पढ़कर सतर्क हो गए, वे सुरक्षित भी रहे।

ट्वीटर टॉक

आज राजघाट स्थित गांधी दर्शन में बापू रेल यात्राओं को समर्पित एक विशेष कोच का लोकार्पण किया। यह उनके जीवनकाल के समय का ही कोच है, जिसका कायाकल्प गांधी जी के दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप से समझाने के उद्देश्य से किया गया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

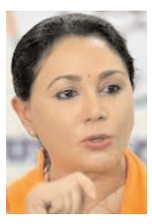

टोंक जिले में बनास नदी में दो लोगों के डूबने और सीकर में टैंक की खुदाई के दौरान हुए दु:खद हादसे में तीन लोगों की आकस्मिक मृत्यु की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। इन घटनाओं में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

परमार्थ से यश

एक बार एक महात्मा से एक व्यक्ति ने पूछा कि अच्छा 'गुण' क्या है? महात्मा ने उसे समझाते हुए कहा कि 'दो प्रकार के वृक्ष हैं' कुछ जो अपना फल स्वयं सभी के लिए सामने रखते हैं और कुछ अपना फल छुपा कर रखते हैं। जो फल स्वयं औरों को दे देते हैं उन वृक्षों को सभी खाद पानी देकर सुरक्षित रखते हैं। ये वृक्ष फिर फल देने के लिए तैयार हो जाते हैं। लेकिन जो वृक्ष अपना फल छुपा कर रखते हैं, वे जड़ सहित खोद लिए जाते हैं, उनका वजूद ही खत्म हो जाता है। ठीक इसी प्रकार जो व्यक्ति अपनी विद्या, धन, शक्ति स्वयं ही समाज सेवा में लगाते हैं, उनका सभी ध्यान रखते हैं। वे यश प्राप्त करते हैं। लेकिन जो अपनी विद्या, धन, शक्ति स्वार्थवश छुपाकर रखते हैं; किसी की सहायता से मुख मोड़ते हैं; वे समय रहते ही भुला दिए जाते हैं। अतः सदैव दूसरों की सेवा सहायता ही सबसे अच्छा गुण है।'

सामयिक

हरियाणा चुनावी मुद्दों से मिल रहे हैं सत्ता-विरोधी संकेत

ललित गर्ग

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों में उठापटक हो रही है, दलबदल का सिलसिला जारी है, गठबंधन टूट रहे हैं जो नये जुड़ रहे हैं। प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है। विनेश और बजरंग पहलवान को शामिल करके कांग्रेस खुशियां मना रही थी, लेकिन आप' से हो रहा समझौता टूटते ही कांग्रेस की खुशियां कुछ हद तक फीकी दिखाई देने लगीं। फिर भी भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस हरियाणा में अपनी बहुमत की सरकार बनाने का दावा कर रही है। भाजपा भी यहां अपनी सरकार बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस बार हरियाणा के चुनावों पर समूचे देश की नजरे लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है। आप ने प्रत्याशियों की दो-दो सूची जारी कर दी है, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान भी कर दिया है। फिर भी दोनों दलों में कुछ लोग हैं, जो अभी गठबंधन की उम्मीद छोड़ने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि यही गठबंधन कांग्रेस की जीत का बड़ा कारण माना जा रहा है। इस गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक छंटते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन भाजपा की जीत अभी भी निश्चित नहीं मानी जा रही है।

भले ही आप' को दूर रखकर हरियाणा कांग्रेस की राज्य इकाई खुश हो रही हो, लेकिन इसका फायदा भाजपा को ही होने वाला है क्योंकि आप' प्रत्याशियों को जहां भी, जितने भी वोट मिलने वाले हैं, वे जाएंगे कांग्रेस के खाते से ही। इस त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

हरियाणा कांग्रेस एवं उसके नेता प्रारंभ से ही स्वतंत्र चुनाव लड़ने के पक्ष में रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दस वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर के मद्देनजर भाजपा 2019 से कमजोर स्थिति में है, जब उसे 90 सीटों की विधानसभा में 40 सीटें ही मिल पाई थीं। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के नतीजे भी संकेत दे रहे हैं जहां पिछली बार की दसों सीटों की जगह उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं। आप को कांग्रेस के साथ गठबंधन में यहां एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिला था, लेकिन वह हार गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए ही प्रदेश कांग्रेस आप के साथ गठबंधन को पूरी तरह गैर जरूरी मान रहा है। लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व राजनीति गणित को देखते हुए आप के साथ गठबंधन को लेकर निरन्तर प्रयास करता रहा। यही कारण दोनों दल गठबंधन के लिए बातचीत की मेज पर बैठे। राहुल गांधी अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उनकी प्राथमिकता यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की एकजुटता और उसकी मजबूती में किसी तरह की कमी न दिखे ताकि केंद्र सरकार और भाजपा पर उसका दबाव बना रहे।

हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी। हालांकि चुनाव परिणाम आने पर ही असल माजरा समझ आएगा, लेकिन यह तय है कि भाजपा को दस साल के राज के बावजूद कमजोर नहीं माना जा सकता।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई कमी के बाद विपक्ष को जो थोड़ी धार मिली है, उसका जो मनोबल बढ़ा था, उसके मद्देनजर ये चुनाव अहम माने जा रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर मजबूती से लड़ता और अच्छी जीत दर्ज करा पाता तो उसका असर न केवल आने वाले विधानसभा चुनावों पर बल्कि पूरे विपक्ष के मनोबल पर पड़ने वाला था। इंडिया गठबंधन के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही झेलना पड़ता है। इसलिये इस गठबंधन की मजबूती ही भाजपा के लिये असली चुनौती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को याद करें तो इस पर लगभग आम राय है कि वहां कांग्रेस को प्रदेश नेतृत्व के अति आत्मविश्वास का नुकसान हुआ। असल सवाल विपक्षी वोटों के बंटवारे का है। जिस तरह से आप प्रत्याशियों की सूची जारी कर रही है, उससे साफ है कि वह इसी पहलू की ओर इशारा कर रही है कि उसे सीटें भले न आएं, कांग्रेस को कई सीटों का नुकसान तो हो ही सकता है।

भाजपा लम्बे समय से हरियाणा में कमजोर बनी हुई है, भले ही सरकार उसी की हो। अपनी लगातार होती कमजोर स्थितियों में सुधार लाने एवं प्रदेश में भाजपा को मजबूती देने के लिये ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल के स्थान पर ओबीसी वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता विरोधी कारकों को कम करने की कोशिश की थी, लेकिन भाजपा को उसका पूरा लाभ नहीं मिल सका। इसके मुख्य कारण सत्ता विरोधी वातावरण बना तो किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी बड़ी चुनौती बन कर सामने आयी। भाजपा द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानून हरियाणा में विवाद का मुख्य मुद्दा बने हुए है। राज्य के किसानों ने इन कानूनों का विरोध किया, उनका दावा है कि ये उनकी फसल की बिक्री और आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। केन्द्र की अग्निपथ योजना भी इन चुनावों में एक विवादास्पद मुद्दा बनी हुई है। इसने राज्य के युवाओं में चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थायी भर्ती से दूर जाने का कदम है, जिससे सैनिकों के लिए रोजगार में अस्थिरता पैदा होती है। इन चुनावों में बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारी नीतियों पर काफी बहस चल रही है, जिससे यह चुनावों में एक केंद्रीय मुद्दा बन गया है।

पहलवानों से जुड़ा मामला और बृज भूषण शरण सिंह पर लगे आरोप भी हरियाणा चुनाव में अहम मुद्दा बन गए हैं। पहलवानों ने सिंह पर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है, जिससे हरियाणा में राजनीतिक परिदृश्य में एक नया आयाम जुड़ गया है। हरियाणा में पहलवानों की सबसे अधिक संख्या और कुश्ती में एक मजबूत परंपरा होने के बावजूद, समर्थन की कथित कमी पर चिंता है। खेलो इंडिया पहल में, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना है, गुजरात को सबसे अधिक बजट आवंटित किया गया, जिससे हरियाणा के खेल समुदाय में असंतोष पैदा हुआ।

यह मुद्दा राज्य में एथलीटों के लिए संसाधनों और समर्थन के वितरण में कथित असंतुलन को उजागर करता है। इन स्थितियों में विनेश और बजरंग पहलवान के कांग्रेस में शामिल होने का पार्टी को लाभ मिलेगा। हरियाणा चुनाव में उठाये जा रहे मुद्दों पर गौर करे तो ये संकेत भाजपा के लिये संकट का कारण बन रहे हैं। कुल मिलाकर इस बार हरियाणा के चुनावों में लड़ाई कई दलों के लिये आरपार की है। 'अभी नहीं तो कभी नहीं'- हरियाणा का सिंहासन छूने के लिये सबके हाथों में खुजली आ रही है। इसमें हरियाणा के मतदाता की जागरूकता, संकल्प एवं विवेक ही प्रभावी भूमिका अदा करेगा।

मुद्दा

मुलायम राज में शुरू मदरसे योगी राज में बंद

अजय कुमार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में नियमों की अनदेखी कर चलाये जा रहे मदरसों पर योगी सरकार की गाज गिर गई है। राज्य मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त 513 मदरसों पर ताला बंदी किये जाने की बात सामने आई है। प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता के बिना मदरसों में होने वाले फर्जीवाड़े को लेकर की गई सख्ती के बाद इन मान्यता प्राप्त मदरसों के संचालकों ने हाथ खड़े कर दिए हैं। संचालकों ने मदरसा शिक्षा परिषद को अपनी मान्यता समर्पण करने का प्रस्ताव भेजा है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद की मंगलवार 10 सितंबर को हुई बैठक में संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मान्यता समर्पण करने के कारणों का पता लगाने और प्रक्रिया पूरी करने के लिए मदरसा शिक्षा परिषद के रजिस्ट्रार को अधिकृत किया गया है। ज्ञातव्य हो, 2004 में मुलायम सिंह सरकार में यूपी मदरसा शिक्षा कानून बना था। इसी कानून के तहत यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड बना। बोर्ड में चेयरमैन से लेकर सदस्य तक सिर्फ एक ही धर्म विशेष मतलब मुसलमानों को रखा गया। उसमें भी शिया और सुन्नी मुसलमानों के लिए कोटा फिक्स कर दिया गया। हाई कोर्ट ने इसे संविधान के खिलाफ माना. आर्टिकल 14 के समानता के अधिकार के खिलाफ इसे समझा गया। इसीलिए इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने बोर्ड को असंवैधानिक करार दिया है। इसे धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ माना है. बता दें कि लखनऊ के एक वकील अंशुमान सिंह ने अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए ही हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने हाल ही में ये फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि मदरसा बोर्ड संविधान के आर्टिकल 21 और 21ए के भी खिलाफ है, जिसमें बच्चों को मुफ्त स्कूली शिक्षा अधिकार दिया गया है, लेकिन यूपी के मदरसे बच्चों से फीस ले रहे थे। इसके साथ ही कुछ मदरसों में उच्च शिक्षा भी दी जा रही थी। हालांकि इसके लिए यूजीसी से मान्यता की जरूरत होती है।

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश में मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त 16,513 मदरसों का संचालन हो रहा है। इनके अलावा प्रदेश में 8,449 मदरसे बिना मान्यता के संचालित हो रहे थे। इन मदरसों को बंद करके यहां के बच्चों को आसपास के प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश देने का आदेश शासन ने दिया था। इस आदेश के विरोध में मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधियों ने आपत्ति दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। अब मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त 513 मदरसों के समर्पण करने के प्रस्ताव के पीछे के कारणों की जांच करने के साथ रजिस्ट्रार को आगे की कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया है। इन मदरसों को केंद्र सरकार से वर्ष 2021 के बाद से आधुनिकीकरण के लिए मिलने वाला बजट बंद हो गया। इसके बाद राज्य सरकार से भी बजट नहीं मिलने के कारण शिक्षकों के वेतन का भी संकट खड़ा हो गया।प्रदेश सरकार ने कई मदरसों में कागजों पर अधिक बच्चे दिखाकर छात्रवृत्ति लेने का फर्जीवाड़ा भी जांच में पकड़ा था। ऐसे में खस्ताहाल हो रहे इन मदरसों ने अपनी मान्यता का समर्पण करने का प्रस्ताव मदरसा परिषद को दिया है।

नजरिया

पेरिस पैरालंपिक के संदेश को समझना जरूरी

आर.के. सिन्हा

पेरिस में ओलंपिक खेलों में लचर प्रदर्शन के बाद पैरालंपिक में भारतीय एथलीटों के प्रदर्शन से सारा देश खुश है। हमारे एथलीटों ने अपने उल्लेखनीय और शानदार अविश्वसनीय प्रदर्शन से देश का मान बढ़ाया है। इन दिव्यांग खिलाड़ियों ने शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अपने उल्लेखनीय खेल से हरेक भारतीय प्रेरित किया है। भारत ने पैरालंपिक में 29 पदकों (सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य) जीते, जो कि अबतक का एक रिकॉर्ड है। इसमें कोई शक नहीं है कि पदक तालिका में भारत का 18वां स्थान, सरकार द्वारा दिव्यांग खिलाड़ियों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन और सुविधाओं में बढ़ोत्तरी का ही प्रमाण है। इस पैरालंपिक में भारतीय कोचों और सहायक कोच भी पेरिस में खिलाड़ियों को हर तरह के सहयोग के लिए पर्याप्त संख्या में मौजूद थे। पहली बार भारतीय एथलीटों के लिए खेल गांव में एक स्पेशल रिकवरी सेंटर बनाया गया था। इससे खिलाड़ियों को चोटों से उबरने और अपनी फिटनेस को तेजी से सुधारने में मदद मिली, जिससे वे अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रख सके।भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 77 कोच और सहयोगी स्टाफ भेजे, जो टोक्यो पैरालंपिक में भेजे गए 45 कोच और सहयोगी स्टाफ से कहीं ज्यादा थे। इससे खिलाड़ियों को बेहतर मार्गदर्शन और देखभाल मिली, जिसका सीधा असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा। पैरालंपिक में देश की भागीदारी ने केवल 16 वर्षों में एक उल्लेखनीय छलांग लगाई है। 2008 में बीजिंग पैरालंपिक में पाँच एथलीटों के मुकाबले अब भारतीय दल 84 हो गया है। बीते रविवार को खेलों की समाप्ति से पहले भारत के पैरालंपियनों ने एक भारतीय रेस्तरां में सुस्वादु भोजन का आनंद भी लिया। हमारे खिलाड़ी जश्न के मूड में थे। ये जश्न मनाने के हकदार भी थे।

यदि 2021 के टोक्यो पैरालंपिक में ही भारत ने संकेत दे दिए थे कि अब भारत पैरा स्पोर्ट्स के शिखर पर जाने को बेताब है। तो 2024 के पेरिस पैरालंपिक उस ख्वाब को भी हमारे दिव्यांग खिलाडियों ने काफी तक सच भी साबित कर दिया। एक दौर था जब भारत इन खेलों में दो-चार पदक ही ले पाता था। पर अब वह दिन चले गए। भारत अब दो अंकों में पदक हासिल कर रहा है और आसानी से अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। बेशक, पिछले टोक्यो खेलों में भारत के 19 पदक के प्रदर्शन ने देश में पैरालंपिक खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक लंबी छलांग लगाई थी। इस अर्थ में, पेरिस में यह देखना था कि क्या भारत इन खेलों में तेजी से आगे बढ़ रहा है अथवा नहीं। पैरालंपिक में हमारे श्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही देश और समाज को दिव्यांगों के प्रति अधिक उदार और मानवीय रवैया अपनाना होगा।

अभी भी दिव्यांगों के हक में बहुत कुछ किया जाना शेष है। क्या हमारे देश में दिव्यांगों विकलांगों के मन-माफिक घरों या कमर्शियल इमारतों का निर्माण हो रहा है? कतई नहीं। अब लक्जरी होम, सी-फेसिंग फ्लैट, एलिट होम वगैरह के दौर में कितने बिल्डर और आर्किटेक्ट सोचते भी हैं दिव्यांगों के मन-माफिक घर बनाने के संबंध में। वास्तव में, बहुत ही कम। अफसोस है कि हमारे यहां दिव्यांगो के लिए हाई-राइस बिल्डिंगों और दूसरे घरों में पर्याप्त जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने को लेकर सही ढंग नहीं सोचा जा रहा। दिव्यांगों को लेकर रीयल एस्टेट कंपनियों और आर्किटेक्ट बिरादरी को ज्यादा संवेदनशील रुख अपनाना ही होगा।

रीयल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स को विकलांगों और बुजुर्गों के लिए सुगम या कहें कि यूजर फ्रेंडली घर बनाने चाहिए। हालांकि भारत में रीयलएस्टेट सेक्टर ने बीते चंदेक दशकों के दौरान लंबी छलांग लगाई है, पर उन रीयल एस्टेट कंपनियों को उंगुलियों पर गिना जा सकता है जो दिव्यांगो तथा बुजुर्गों की सुविधा का ध्यान रखकर निर्माण कर रही हैं। अब उदाहरण के लिए आपको इस तरह की आवासीय और कमर्शियल इमारतें कम ही मिलेंगी जिनमें विकलांगों की व्हीलचेयर को लिफ्ट के अंदर लेकर जाया जा सकता है। लिफ्ट में इतना कम स्पेस रहता है कि व्हीलचेयर को उसके अंदर लेकर जाना मुमकिन नहीं होता। बाथरूम और किचन में कैबिनेट इतनी ऊंचाई में होते हैं कि दिव्यांग शख्स के लिए उनका इस्तेमाल करना बेहद कठिन होता है। इस तरह के मसलों को देखने की जरूरत है। अमेरिका में उन्हीं रियलटर्स को दिव्यांगों को घर मुहैया करवाने की इजाज़त दी जाती है, जो इसके लिए योग्य और प्रशिक्षित हैं लेकिन, भारत में ऐसा कोई कानून नहीं है।

भारत में मानसिक और शारीरिक तौर पर विकलांग लोगों को रोजाना किसी न किसी तरह के भेदभाव का सामना करना ही पड़ता है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में करीब दो करोड़ 60 लाख विकलांग हैं। हालांकि गैर-सरकारी संगठनों के मुताबिक इनकी संख्या और बढ़ी है और यह छह और सात करोड़ के बीच हैं। संबंधित सरकारी महकमों को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि बिल्डर और आर्किटेक्ट दिव्यागों के मन-माफिक ही इमारतें खड़ी करें। दिव्यांगों को देश के बाकी नागरिकों की तरह देखा जाना चाहिए। उन्हें अहसानों की जरूरत तो नहीं पर सामाजिक सम्मान के वे अवश्य ही हकदार हैं। पेरिस पैरालंपिक के विजेताओं को भी उसी तरह से पुरस्कृत किया जाये, जैसे ओलंपिक खेलों के विजेता हुए हैं।

देश में 16 किस्म की मान्य विकलांगता वें हैं। विकलांगों के आवास के लिए विशेष योजना बनाने की जरूरत है। व्हीलचेयर पर चलने वाली आबादी का मानना है कि कहीं भी प्रवेश की अगमता सुविधा होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक विकलांग व्यक्ति को अपने घर से बाहर लाने, कॉलेज या दफ्तर जाने के लिए, बस पकड़ने, शॉपिंग कांप्लेक्स जाने या अन्य सार्वजनिक इमारतों में प्रवेश की वैसी ही सुविधा होनी चाहिए, जैसी सामान्य लोगों के लिए होती है। देश में स्थिति यह है कि अधिकतर स्थानों पर विकलांग व्यक्ति आसानी से जा ही नहीं सकते हैं। अगर पश्चिम की देशों की बात करें तो वहां पर सार्वजनिक भवनों के गेट बहुत भारी-भरकम नहीं होते, जिससे कि व्हीलचेयर पर बैठा व्यक्ति भी बिना किसी अन्य सहायता के स्वयं ही सुगमता से आ-जा सकता है।

सभी प्रसाधन स्थान भी इन सुविधाओं को ध्यान में रख बनाए गए हैं। लिफ्ट में खासतौर पर ऑपरेशनल स्विचों को नीचे की तरफ लगाया जाता है, जिससे विकलांग व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े। पेरिस पैरालंपिक देश के लिए एक संदेश भी है कि हमें दिव्यांगों को उनके हकों को देना ही होगा।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ज्यादातर अमीर भारतीय अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए भेजते हैं विदेश : अध्ययन

मुंबई/भाषा

तीन-चौथाई से अधिक अमीर भारतीयों ने अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए विदेश भेजा है या भविष्य में ऐसा करने की योजना बना रहे हैं। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। मार्च में 1,456 भारतीयों के बीच यह सर्वेक्षण किया गया था। इन लोगों के पास 84 लाख रुपए (एक लाख डॉलर) से लेकर लगभग 17 करोड़ रुपए (20 लाख डॉलर) के बीच निवेश-योग्य अधिशेष था।

अध्ययन में पाया गया कि अच्छी आर्थिक हैसियत वाले भारतीयों में अपने बच्चों को विदेशों में पढ़ाने की तीव्र इच्छा है। अध्ययन में शामिल 78 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अपने बच्चों को विदेश में शिक्षा दिलाने के इच्छुक हैं। विदेशी ऋणदाता एचएसबीसी की तरफ से कराए गए 'वैश्विक जीवन गुणवत्ता, 2024' सर्वेक्षण के मुताबिक, भारतीयों के लिए शीर्ष विदेशी गंतव्य अमेरिका है और उसके बाद ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर का स्थान आता है।

अध्ययन में कहा गया है कि बच्चों के लिए विदेश में पढ़ाने की चाहत इतनी अधिक है कि माता-पिता उसे पूरा करने के लिए वित्तीय तनाव भी झेलने को तैयार हैं। हालांकि शिक्षा में निवेश के लिए उन्हें सेवानिवृत्ति के लिए की गई बचत की बलि भी देनी पड़ सकती है।

विदेश में पढ़ाई करने की अनुमानित या वास्तविक वार्षिक लागत 62,364 डॉलर है। इसमें माता-पिता की सेवानिवृत्ति बचत का 64 प्रतिशत तक खर्च हो सकता है। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों के माता-पिता विदेश में पढ़ाने के लिए अपनी सामान्य बचत में से पैसा निकालते हैं, ऋण लेते हैं और संपत्ति भी बेच देते हैं।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि विदेशी शिक्षा को अहमियत देने के पीछे प्राथमिक कारण विदेशी शिक्षा की गुणवत्ता है जबकि किसी क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने की संभावना दूसरे स्थान पर है।

सर्वेक्षण के मुताबिक, जब कोई युवा पढ़ाई के लिए विदेश जाता है तो माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता वित्त जुटाने की होती है। इसके बाद सामाजिक या मानसिक चिंताएं और शारीरिक या स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं भी उन्हें परेशान करती हैं।

हैरिस राष्ट्रपति बनीं तो इजराइल का अस्तित्व मिट जाएगा : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस पर इजराइल से नफरत करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बन गईं तो यहूदी राष्ट्र का दो साल के भीतर अस्तित्व मिट जाएगा।ट्रंप ने मंगलवार को पेंसिल्वेनिया में हैरिस के साथ बहस के दौरान यह टिप्पणी की। टेलीविजन पर प्रसारित इस बहस में ट्रंप ने कहा कि अगर वह राष्ट्रपति होते तो इजराइल-हमास युद्ध कभी शुरू नहीं होता। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कांग्रेस में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाषण देने आए थे, तब भी वह (हैरिस) उनसे नहीं मिलीं। उन्होंने वहां जाने से इनकार कर दिया क्योंकि वह पार्टी कर रही थीं...वह इजराइल से नफरत करती हैं। उन्होंने दावा किया, अगर वह राष्ट्रपति बनती हैं तो मुझे लगता है कि दो साल के भीतर इजराइल का अस्तित्व मिट जाएगा।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, मैं सटीक भविष्यवाणियां करता रहा हूं, लेकिन मैं चाहता हूं कि मैं इस मामले में गलत साबित हो जाऊं। चैनल 'एबीसी' द्वारा आयोजित बहस के दौरान ट्रंप ने कहा, एक तरीके से, वह अरब आबादी से नफरत करती हैं...अरब, यहूदी लोग, इजराइल भी समाप्त हो जाएगा। अमेरिका में पांच नवंबर को

होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप (78) और हैरिस (59) के बीच यह पहली बहस थी। ट्रंप ने कहा कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल में ईरान बर्बाद हो गया और उसके पास हमास, हिजबुल्ला या किसी अन्य आतंकवादी समूह के लिए पैसा नहीं था। ट्रंप ने कहा, यमन में हूती (विद्रोहियों) के साथ जो हो रहा है, उसे देखिए। मध्य पूर्व में जो हो रहा है, उसे देखिए। ऐसा कभी नहीं होता। मैं इसे जल्द से जल्द सुलझा लूंगा। इजराइल से नफरत के संबंध में ट्रंप के दावे पर हैरिस ने कहा, यह बिल्कुल सच नहीं है। उपराष्ट्रपति हैरिस ने खुद को यहूदी राष्ट्र का आजीवन समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि पिछले साल सात अक्टूबर को हमास के नरसंहार के बाद इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। हैरिस से पूछा गया था कि वह बंधक-युद्धविराम समझौता कैसे सुनिश्चित करेंगी? उपराष्ट्रपति को महीनों पहले की उनकी टिप्पणी के बारे में भी ध्यान दिलाया गया कि ''इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, लेकिन यह मायने रखता है कि कैसे?''

इस पर, हैरिस ने कहा कि गाजा में लगभग एक साल से जारी युद्ध शुरू कैसे हुआ? हैरिस ने कहा, आइए समझते हैं कि हम यहां कैसे पहुंचे। सात अक्टूबर को, आतंकवादी संगठन हमास ने 1,200 इजराइलियों की हत्या कर दी, वहां महिलाओं से बलात्कार किया गया। उनमें से कई युवा थे जो संगीत कार्यक्रम में भाग लेने गए थे। इसलिए, इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा, और यह कैसे मायने रखता है? क्योंकि यह भी सच है कि बहुत से बच्चों, माताओं समेत निर्दोष फलस्तीनी मारे गए हैं। हम जानते हैं कि यह युद्ध समाप्त होना चाहिए, यह तुरंत समाप्त होना चाहिए। इसके अंत के लिए हमें युद्ध विराम समझौते की आवश्यकता है और हमें बंधकों को बाहर निकालना होगा। इसलिए हम इस पर चौबीसों घंटे काम करना जारी रखेंगे। हैरिस ने कहा कि उन्हें एक ऐसा रास्ता तैयार करना चाहिए जो इजराइलियों और ''समान रूप से'' फलस्तीनियों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा, एक बात जो मैं आपको हमेशा आश्वस्त करूंगी: मैं हमेशा इजराइल को खुद की रक्षा करने की क्षमता दूंगी, खासकर जब यह ईरान से संबंधित हो या ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा इजराइल के लिए उत्पन्न किसी भी खतरे से संबंधित हो।

अमेरिका की खोज 'हमारे भारतीय पुरखों' ने की थी, कोलंबस ने नहीं : परमार

भोपाल/भाषा

मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार ने दावा किया है कि अमेरिका की खोज 'हमारे भारतीय पूर्वजों' ने की थी, क्रिस्टोफर कोलंबस ने नहीं जैसा कि बच्चों को पढ़ाया जाता है। परमार ने यह दावा भी किया कि छात्रों को यह गलत इतिहास पढ़ाया जाता रहा है कि भारत की खोज पुर्तगाली खोजकर्ता वास्कोडिगामा ने की थी। परमार ने मंगलवार को भोपाल में बरकतुल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, कोलंबस ने अमेरिका की खोज की...भारतीय छात्रों का इससे कोई लेना-देना नहीं था। अगर उन्हें यह पढ़ाना ही था तो उन्हें यह भी पढ़ाया जाना चाहिए था कि कोलंबस के बाद के लोगों ने किस तरह वहां के समाज पर अत्याचार किया और वहां के जनजातीय समाज को नष्ट कर दिया, क्योंकि वह समाज प्रकृति की, सूर्य की उपासना करता था। उन्होंने कहा कि यह भी पढ़ाया जाना चाहिए था कि ''कैसे उनकी हत्याएं की गईं, कैसे उनका मतांतरण कराया गया, लेकिन दुर्भाग्य से सही तथ्य नहीं पढ़ाए गए। परमार ने कहा कि इसके विपरीत भारतीय विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है कि कोलंबस ने अमेरिका की खोज की थी। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि अगर किसी को लिखना ही था तो यह लिखना चाहिए था कि भारत के महान नायक वसुलून आठवीं सदी में वहां गए थे और उन्होंने अमेरिका के सेंटियागो में अनेक मंदिरों का निर्माण किया। वहां एक संग्रहालय में आज भी ये तथ्य लिखे हुए हैं। वहां के पुस्तकालय में ये तथ्य अब भी रखे हैं।

मंत्री ने कहा कि बच्चों को यह बात पढ़ाई जानी चाहिए थी कि अमेरिका की खोज हमारे भारतीय पुरखों ने की। उन्होंने कहा, जब हम (हमारे पुरखे) वहां गए तो हमने उनकी संस्कृति, माया संस्कृति के साथ उनके विकास में सहयोग किया। यह भारत का विचार और दर्शन है जिसे छात्रों को पढ़ाया जाना चाहिए।

परमार ने यह भी कहा कि छात्रों को पढ़ाया जाता रहा है कि पुर्तगाली नागरिक वास्कोडिगामा ने भारत की खोज की थी। उन्होंने कहा कि इतिहासकार वास्कोडिगामा की आत्मकथा ही पढ़ लेते तो सही इतिहास तो पढ़ा पाते। मंत्री ने कहा कि वास्कोडिगामा ने अफ्रीका के जंजीबार बंदरगाह पर दुभाषिए की मदद से एक गुजराती कारोबारी चंदन से भारत देखने की इच्छा प्रकट की थी।

उन्होंने कहा कि वास्कोडिगामा ने चंदन के जहाज का अनुसरण किया और इस तरह वह भारत पहुंचा। परमार ने कहा कि वास्कोडिगामा ने खुद लिखा है कि भारतीय कारोबारी चंदन का जहाज उसके जहाज से बहुत बड़ा था लेकिन छात्रों को गलत इतिहास पढ़ाया जाता है कि पुर्तगाली नागरिक ने भारत की खोज की थी।

'रेड 2' के नए पोस्टर के साथ निर्माताओं ने की फिल्म की घोषणा

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन, रितेश देशमुख और वाणी कपूर अभिनीत फिल्म 'रेड 2' के निर्माताओं ने एक नया पोस्टर जारी कर फिल्म के रिलीज़ की तारीख की घोषणा की है। यह फिल्म अगले साल 21 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्म रेड 2 में अजय देवगन एक बार फिर से आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की भूमिका में नज़र आयेंगे। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम पर 'रेड 2' के तारीख की घोषणा की। आदर्श ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर जारी किया और कैप्शन में लिखा, अजय देवगन - रितेश देशमुख - वाणी कपूर: 'रेड 2' की रिलीज डेट तय हो गई है... रेड2 - जिसमें अजय देवगन आईआरएस अधिकारी अमय पटनायक की भूमिका निभा रहे हैं अगले साल यानी 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में आएगा। इस फिल्म में रितेश देशमुख ने प्रतिपक्षी का किरदार निभाया है... फिल्म में वाणी कपूर और रजतकपूर भी हैं... बड़े पैमाने पर इसे दिल्ली और लखनऊ में फिल्माया गया है।

अजय देवगन के साथ फिल्म में मुख्य भूमिका में वाणी कपूर खलनायक के रूप में रितेश देशमुख और रजत कपूर हैं। दिल्ली और लखनऊ में बड़े पैमाने पर शूट की गई रेड 2 फिल्म दर्शकों को क्षेत्रीय दृश्यों के साथ एक अलग अनुभव देगी । कॉमेडी फिल्मों में अपना जलवा दीखाने के बाद रितेश देशमुख पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर अजय देवगन के खिलाफ भूमिका निभाते नज़र होंगे। 'रेड' 2018 में रिलीज़ हुई थी और इसमें सौरभ शुक्ला और इलियाना डीक्रूज़ भी थे। यह 1980 के दशक में आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई वास्तविक छापेमारी पर आधारित थी। फिल्म में इलियाना ने अजय की पत्नी का किरदार निभाया था। रेड 2 राजकुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित है। फिल्म गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत की गयी है और पैनोरमा स्टूडियो ने इसका प्रोडक्शन किया है। यह फिल्म 21 फरवरी 2025 को रिलीज़ होने वाली है।

'गांधारी' में काम करेंगी तापसी पन्नू

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू फ़िल्म गांधारी में काम करती नज़र आयेंगी। तापसी पन्नू की आगामी फिल्म गांधारी है, जिसकी अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर एक वीडियो और फोटो के साथ की गयी है। गांधारी के क्लिप में देखा जा सकता है कि बैकग्राउंड वॉइस में तापसी ने कहा, कहते हैं मां की दुआ हमेशा साथ चलती है, लेकिन जब उसकी बच्ची पर आती है तो काली भी वही बनती है। वीडियो के साथ एक तस्वीर भी शेयर की गई है, जिसमें तापसी पन्नू और कनिका ढिल्लों साथ में पोज दे रहे हैं। ब्लैक एंड व्हाइट ड्रेस में तापसी लाजवाब लग रही हैं, वहीं कनिका ब्लैक लुक में दिख रही हैं। तापसी के सामने लगे टेबल पर स्क्रिप्ट रखी हुई है। फिल्म अनाउंसमेंट पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा गया, हसीन राइटर और एक्ट्रेस दोबारा वापसी कर रही हैं। तापसी पन्नू की फ़िल्म गांधारी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी।

भव्य गांधी 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में एक खलनायक की भूमिका निभाएंगे

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के पूर्व स्टार भव्य गांधी सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में एक खलनायक की भूमिका निभाते नज़र आएंगे। सोनी सब का लोकप्रिय शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' पुष्पा (करुणा पांडे) की प्रेरक यात्रा के साथ दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। वह दृढ़ संकल्प और आशावाद के साथ चुनौतियों का सामना करती है। भव्य गांधी के प्रवेश के साथ पुष्पा और उसके परिवार के जीवन में एक नया खतरा प्रवेश कर रहा है। भव्य गांधी को तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में टप्पू की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। एक मनोरोगी खलनायक के रूप में उनका चरित्र बदला लेने और बर्बाद करने की भावना से आ रहा है। यह भूमिका टप्पू के रूप में उनकी पिछली मासूम और शरारती भूमिका से बहुत अलग है। यह एक अभिनेता के रूप में भव्य की बहुमुखी प्रतिभा का परिचय भी करती है। विकृत स्वभाव और अनिश्चित व्यवहार वाले व्यक्ति प्रभास का शांत व्यवहार उनकी सबसे परेशान करने वाली विशेषता है। वह अपनी आवाज पर जोर नहीं देते, लेकिन उसमें एक अंतर्निहित तनाव है जो उनके आस-पास के लोगों को असहज कर देता है। वह एक पल में आकर्षक और विनम्र हो सकते हैं, लेकिन अगले ही पल क्रूर और कटु हो सकते हैं। उसका अप्रत्याशित होना उसके आस-पास के लोगों को परेशान करता है। उन्हें कभी नहीं पता कि उसका मूड कब बदल जाएगा। वह अश्विन से बदला लेना चाहता है, जिसने राशि को ट्रोल करने पर प्रभास का सामना किया था। तनाव तब और बढ़ जाता है जब उसकी छिपी धमकियाँ और चालाकी पुष्पा के परिवार के लिए अधिक जोखिम पैदा करती हैं।

पुष्पा इम्पॉसिबल में प्रभास की भूमिका निभा रहे भव्य गांधी ने कहा, प्रभास की भूमिका निभाना मेरे लिए एक सुखद अनुभव है क्योंकि मैं पहली बार एक नकारात्मक किरदार निभा रहा हूँ और यह भूमिका तारक मेहता का उल्टा चश्मा के मासूम टप्पू की भूमिका निभाने से बहुत अलग है। प्रभास अप्रत्याशित और बहुत परेशान है। बाहर से शांत दिखता है लेकिन अंदर उतनी ही तीव्र उथल-पुथल है जिसे वह छिपाता है। यह उसे खतरनाक रूप से आकर्षक बनाता है। सोनी सब जैसे होम चैनल पर इस तरह के जटिल किरदार के साथ वापसी करना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से रोमांचक है। सोनी सब पर पुष्पा इम्पॉसिबल सोमवार से शनिवार रात 9.35 बजे प्रसारित होता है।

'सनम तेरी कसम' का बनेगा सीक्वल

मुंबई/एजेन्सी

हर्षवर्धन राणे की फिल्म सनम तेरी कसम के सीक्वल की घोषणा कर दी गयी है। वर्ष 2016 में रिलीज हुई फिल्म सनम तेरी कसम की खूब तारीफ हुई थी, वहीं अब मेकर्स ने घोषणा कर दी है कि वे बहुत ही जल्द सनम तेरी कसम 2 भी लेकर आ रहें हैं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सनम तेरी कसम 2 का ऐलान करते हुए कैप्शन में लिखा, सनम तेरी कसम 2 बन रही है, एक शानदार प्रेम कहानी के बाद हम एक और बेहतरीन कहानी के साथ वापसी कर रहें हैं, अन्य जानकारियों के लिए हमारे साथ जुड़े रहिए।

सनम तेरी कसम 2 के लिए अभिनेता हर्षवर्धन राणे का नाम कन्फर्म हो चुका है, जो पहले पार्ट से भी थे, लेकिन अभिनेत्री कौन होंगी इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है।

13 को रिलीज होगी फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान की फ़िल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' 13 सितंबर को रिलीज़ होगी। करीना कपूर खान स्टारर फिल्म द बकिंघम मर्डर्स इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस मिस्ट्री-थ्रिलर के ट्रेलर ने सस्पेंस और इंटेंसिटी का माहौल बना दिया है, जिसकी वजह से दर्शकों की एक्साइटमेंट अलग लेवल पर पहुंच गया है।

ट्रेलर को शानदार रिस्पॉन्स मिला है, जिसने इसे एक मस्ट-वॉच मिस्ट्री-थ्रिलर बना दिया है। द बकिंघम मर्डर्स नई और ओरिजनल कंटेंट पेश करती है। कहानी नई है और पहले कभी नहीं देखी गई है। जैसा कि ट्रेलर में दिखाया गया है, फिल्म कई उतार-चढ़ाव का वादा करती है, जो दर्शकों को एक अनोखे और रोमांचक अनुभव कराएगी। यह फ़िल्म फिल्म जसमीत भामरा (जिसे जैज के नाम से भी जाना जाता है) की कहानी बताती है, जो एक पुलिस ऑफिसर और सिंगल माँ है, जिसने हाल ही में एक गोलीबारी में अपने बच्चे को खो दिया है। करीना कपूर खान ने जैज़ की भूमिका निभाई है।

उनके किरदार का हालिया दर्द तब फिर से सामने आता है जब उसे एक लापता बच्चे का मामला दिया जाता है। कहानी कई सरप्राइजेज से भरी है, जो इसे एक्साइटिंग होने के साथ इमोशंस से भरी हुई बनाती है। इस फ़िल्म से करीना कपूर खान बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत कर रही हैं। वैसे तो वे पिछले 25 सालों से लीडिंग एक्ट्रेस हैं, लेकिन यह फिल्म उनके करियर में एक खास कदम है। उन्होंने बतौर प्रोड्यूसर अपने डेब्यू प्रोजेक्ट के लिए एक अनोखे जॉनर, एक मिस्ट्री थ्रिलर को चुना है।

द बकिंघम मर्डर्स ने बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में अपने ग्लोबल प्रीमियर के साथ अपनी इंटरनेशनल अपील दिखाई है। इसे वहां शानदार रिव्यू और फीडबैक मिला है। यह फिल्म 2023 मुंबई फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई गई है। इस फ़िल्म में करीना कपूर खान वह एक गंभीर पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं, जो मुश्किल हालात से जूझती है। ट्रेलर देख पहले ही पता चल गया है कि यह एक बहुत ही एंटरटेनिंग और सस्पेंस से भरी थ्रिलर होने वाली है। यह फिल्म एंटरटेनमेंट की दुनिया के दो बड़े नाम, प्रोड्यूसर एकता कपूर और करीना कपूर खान के बीच होने वाला एक और कॉलेबोरेशन है। वीरे दी वेडिंग और क्रू जैसी पॉपुलर कॉमेडी ड्रामा बनाने के बाद, यह जोड़ी अब एक नए जॉनर को एक्सप्लोर कर रही है।

अनुष्का सेन बनीं सियोल, साउथ कोरिया के बिलबोर्ड पर फीचर होने वाली पहली इंडियन स्टार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनुष्का सेन सियोल, साउथ कोरिया के बिलबोर्ड पर फीचर होने वाली पहली इंडियन स्टार बन गयी हैं। ग्लोबल स्टार अनुष्का सेन के दुनिया भर में बहुत सारे फैंस हैं। भारत में दर्शक उन्हें बहुत पसंद करते हैं, लेकिन ग्लोबल लेवल पर भी उनके आर्ट को खूब सराहा जाता है। ऐसे में भारत में सबका दिल जीतने वाली अनुष्का हाल ही में अपने एक सफल डिजिटल रिलीज के बाद, 22 साल की कम उम्र में बड़ी उपलब्धि अपने नाम करते हुए अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं।

अनुष्का सेन की सोल, कोरिया में यात्रा के पहले दिन ही उनका स्वागत बहुत गर्मजोशी से हुआ। म्योंग-डोंग, सोल की अपनी पसंदीदा शॉपिंग स्ट्रीट पर उनके पोस्टर्स कई बिलबोर्ड्स पर दिखाई दिए। इतना ही नहीं, शहर के अन्य हिस्सों में भी उनके पोस्टर्स दिखे। यह किसी भी भारतीय स्टार के लिए दक्षिण कोरिया में बिलबोर्ड्स पर दिखने का पहला मौका था! अनुष्का सेन की पॉपुलैरिटी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके पोस्टर्स कोरिया की सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। ये कहना गलत नहीं होगा की यह उनके फैंस के लिए एक गर्व का पल है!यह किसी भी भारतीय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है कि उन्हें एक नए क्षेत्र में पहचान मिली है। अनुष्का सेन ने न सिर्फ भारत में बल्कि दक्षिण कोरिया में भी अपनी पॉपुलैरिटी को बढ़ाया है! ऐसे में इस दौरान, उनके फैंस उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए उमड़ पड़े, लोगों का रिस्पॉन्स बताता है कि अनुष्का ने हम सभी को गर्व से भर दिया है! प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण जैसी सेलिब्रिटीज़ ने वेस्ट में अपना नाम कमाया है, लेकिन अनुष्का एक अलग ग्लोबल स्टार के रूप में उभरी हैं, जो ईस्ट में अपना नाम कमा रही हैं।

अनुष्का सेन को ली जंग-सब द्वारा डायरेक्टेड एंबिशियस इंटरनेशनल प्रोजेक्ट 'एशिया' में फीचर किया जाएगा। वह दुनिया भर के एक्टर्स के बीच भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। फिल्म में, वह पहली बार एक हिटवुमन की भूमिका निभाएंगी और पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। अनुष्का सेन ने अपने अभिनय करियर में एक नया मुकाम हासिल किया है, और वह अपनी इस नई भूमिका से दर्शकों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं! अनुष्का सेन कोरिया में बहुत पॉपुलर हो रही हैं और उन्हें कोरियाई सरकार के एक संगठन कोरिया ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन ने टूरिज्म का ब्रांड अम्बेसडर बनाया था, जो यह दिखाता है कि वो एक ग्लोबल स्टार हैं! उन्होंने भारत के लिए ईस्ट में एक नया रास्ता खोल दिया है, जहां पहले से ही दुनिया भर के युवा आकर्षित हो रहे हैं। अनुष्का सेन ने भारत को ग्लोबल लेवल पर रिप्रेजेंट करने का एक नया मौका दिया है और उनकी पॉपुलैरिटी कोरिया में भारत के लिए एक नई शुरुआत है!

अनुष्का न सिर्फ एक नए क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही हैं, बल्कि एक ग्लोबल स्टार बन गई हैं, जो शोहरत की परिभाषा को बदल रही है। ग्लोबल स्टेज पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली अनुष्का सेन पहली स्टार हैं जो कोरियन ड्रीम को भारत में ला रही हैं, जिसपर हमें गर्व हो रहा है! इस तरह से वह एक नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन गई हैं और दिखा रही हैं कि इंडियन टेलेंट ग्लोबल लेवल पर पहचान पा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 12-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जिन्दगी एक बांसुरी की भांति है जो अपने में खाली और शून्य होते हुए भी संगीत पैदा करने का असीम सामर्थ्य लिए हुए है।

भक्त बनना है तो हनुमान जैसा बनना चाहिए : कौशिक महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जेपीनगर स्थित प्रसन्न अंजनेया स्वामी मंदिर के सभागार में गौ सेवा भक्त मंडल के तत्वावधान में राकेश जोशी पारीक परिवार द्वारा आयोजित हनुमंत कथा के दूसरे दिन कथा वाचक कौशिक महाराज ने कहा कि यदि भक्ति करनी है तो राम की भक्ति करनी चाहिए और भक्त बनना है तो हनुमानजी जैसा भक्त बनना चाहिए। हनुमानजी ही ऐसे भक्त हुए जिन्होंने भगवान राम की सेवा में अपना पूरा जीवन बिता दिया। कथावाचक कौशिकजी ने कहा कि मनुष्य को कभी अपने जीवन में घमंड नहीं करना चाहिए, घमंड व्यक्ति को गर्त में ले जात है जिसका साक्षात उदाहरण है रावण का राज। रावण

अपने अहंकार के कारण ही अपनी सोनी की लंका को गंवा बैठा और अपने परिवार का नाश कर बैठा।

उन्होंने कहा कि जीवन में संस्कार का अपना अलग महत्त्व है।अच्छे संस्कार से ही एक नारी अच्छी सन्तान को जन्म दे सकती है। माता अंजना अपनी गर्भावस्था के दौरान पूरे समय भगवान शंकर के मंत्र का जाप करती रही और माँ अंजना के शंकर स्वरूप ही हनुमान महाराज जैसे पुत्र का जन्म हुआ। मानव को अपने जीवन में गौ सेवा व धर्म की सेवा हमेशा करनी चाहिए। बुधवार को राधा अष्टमी पर राधा महोत्सव भी धूमधाम से मनाया। कथा के दौरान कथा वाचक कौशिकजी महाराज का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर आयोजक परिवार गिरधारीलाल बजरंगलाल राकेशकुमार जोशी ने सभी श्रोताओं का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में श्याम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झँवर, पारीक समाज कर्नाटक के अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक, रामनिवास पारीक, रामकिशोर पारीक, गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया सहित अनेक लोगों ने उपस्थित होकर कथाश्रवण का लाभ लिया। संचालन विमलेश जोशी ने किया।

सरल मन ही स्वयं की आलोचना कर सकता हैं : विनयमुनि

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन करते हुए विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि उपेक्षा भाव द्वेष की जननी है। व्यवहारिक जीवन में रिश्तों को सम्हालना पहला कर्तव्य है। उपेक्षा से दूरियां बढ़ती है और निराशा फैलती है। आलोचना सूत्र पर विवेचन करते हुए विनयमुनिजी ने कहा कि यह रटने का पाठ नहीं है। यह चिंतन का विषय है और जितना गहरा चिंतन होगा उतनी अच्छी हम स्वयं की आलोचना कर पाएंगे। अनादि काल से हमने कई बार संयम लिया किंतु मात्र पर उपदेश का आनंद लिया। भाषा को अलंकृत कर क्लेश को ही बढ़ाया। आलोचना जीवन का श्रेष्ठ सिद्धांत है और सरल मन ही स्वयं की आलोचना कर सकता हैं। आपस में भ्रम पैदा करना और धर्म के नाम पर उपासकों की छीना झपटी उचित नहीं है। यह भी एक पाप है। रोज पाप करना और रोज प्रायश्चित करना, यह सही नहीं है। ऐसा करके हम पाप और प्रायश्चित से मात्र रिश्तेदारी निभा रहे हैं। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने आगुंतकों का स्वागत किया।

जिन्दगी एक बांसुरी की भांति है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जिन्दगी एक बांसुरी की भांति है जो अपने में खाली और शून्य होते हुए भी संगीत पैदा करने का असीम सामर्थ्य लिए हुए है। यह बजाने वाले पर निर्भर करता है कि कौन कैसे बजाता है। उस पर राग के गीत गाता है था वैराग्य के। बांसुरी के दिव्य स्वर आत्मा को जगा सकते हैं। यह मनुष्य की विडम्बना है कि वो सही रूप में अपने जीवन को समझ नहीं पाया। जीवन छोटा हो या बड़ा हो यह महत्वपूर्ण नहीं है, महत्व इस बात का है कि वह अपने जीवन को कैसे जीता है। संसार की भौतिक चकाचौंध, मोह- आसक्ति में फंसे हुए इंसान को प्रभु की वाणी, संत, गुरु के उपदेश भी अच्छे नहीं लगते। भगवान के दर्शन के लिए मात्र बुद्धि नहीं वहां तो आपके हृदय की, अन्तर्मन की सरलता देखी जाएगी। यदि आप में भी अपने जीवन में प्रेम, करुणा, दया, सेवा और भक्ति व सहयोग भाव विद्यमान है तो आपको भी भगवान मिल सकते हैं।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर की अन्तिम वाणी श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर चौथे अध्ययन की पहली गाथा पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि यह जीवन असंस्कृत है। जैसे वृक्ष से गिरा पत्ता पुनः डाली से नहीं लगता, जैसे धागे की डोर टूटने पर वापस नहीं जुड़ती है।

ठीक वैसे ही जीव के एक बार शरीर से प्राण चले जाने पर, मानव के आयुष्य रूपी सांसों की डोरी यदि एक बार टूट जाये तो फिर किसी भी कीमत में, कितनी भी ताकत लगा लो वह आयुष्य रूपी डोर जुड़ने वाली नहीं है।

इंसान संसार में अपने घन-बल वैभव, सुख, पारिवारिक मोह-आसक्ति, राग व कई प्रकार की मिथ्या मान्यताओं के कारण अपनी गलतफहमी में जीता रहता है और अपने अनमोल समय को यूंही व्यर्थ में बर्बाद कर देता है। लेकिन यह एक अटल सच्चाई हैं कि जीवन के अंत समय में धन, रिश्ते - परिवारजन सब कोई भी व्यक्ति के उसे बचा पाने में रक्षक भूत नहीं होते हैं। व्यक्ति संसार में खाली हाथ आया था और खाली हाथ ही जाता है। जीव के साथ अन्त में उसके किए सत्कर्म, पुण्य और पाप ही साथ में जाते हैं। अतः व्यक्ति को अपने जीवन में सत्कर्म करते हुए धनार्जन के साथ धर्म की आराधना पर समय रहते करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन संघ के सहमंत्री रमेश गुंदेचा ने किया।

रामदेव भक्त मंडल का वार्षिक महोत्सव कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय रामदेव भक्त मंडल पश्चिम अग्रहारा दासरहल्ली की ओर से भादवा सुदी दसवीं उत्सव व 14वां वार्षिक महोत्सव के मौके पर शुक्रवार को विजयनगर स्थित अल्लम्माप्रभु कल्याण मंडप में 'एक शाम बाबा रामदेवजी के नाम' विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस भजन संध्या में टोंक के संतश्री प्रकाशदास महाराज एवं कथावाचक शीतल संत राजाराम महाराज पुष्कर धाम भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। संस्था के अध्यक्ष चेतन सीरवी ने बताया कि महोत्सव के तहत शुक्रवार को सुबह 6.30 बजे हनुमान मंदिर दासरहल्ली से रामदेव प्रार्थना मंदिर तक वरघोड़ा पैदल यात्रा संघ निकाला जाएगा, तत्पश्चात रामदेव प्रार्थना

मंदिर में आरती होगी। शाम को भजन संध्या में चढ़ावों की बोलियां, स्वागत समारोह व महाप्रसादी का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गोविंदराजनगर क्षेत्र के विधायक प्रियकृष्ण उपस्थित रहेंगे। शनिवार को संत राजाराम महाराज का चातुर्मास पूर्ण होने पर विदाई समारोह होगा।

अग्रवाल बिज़ कनेक्ट की यूथ विंग का शुभारंभ 21 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अग्रवाल बिज़ कनेक्ट अपनी अधिकारिक युवा शाखा'अग्रवाल नेक्स्टजेन कनेक्ट(एएनसी)' का उद्घाटन 21 सितंबर को करने जा रहा है। इस शाखा का उद्देश्य युवा पीढ़ी को एक साथ लाना है, उन्हें सांस्कृतिक समृद्धि, व्यक्तिगत विकास और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करना है। अग्रवाल बिज़ कनेक्ट की युवा शाखा एक गैर-राजनीतिक संगठन के रूप में एएनसी इंटरैक्टिव सत्रों, सहयोगी गतिविधियों और युवा-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से प्रगति को प्रेरित करेगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध उद्यमी और फिल्म निर्माता वरुण अग्रवाल होंगे। अग्रवाल इस मौके पर व्यवसाय जगत में अपने अनुभवों से युवाओं को प्रेरित करेंगे। इस नई शाखा के लांच के बारे में चर्चा करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संस्थापक अशोक अग्रवाल और महेश मित्तल के साथ-साथ सचिव राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकेश गर्ग, संयुक्त सचिव पंकज पटवारी, कार्यकारी समिति के सदस्य मनोज सरावगी, अंकित गुप्ता, ऋषि अग्रवाल, महिमा अग्रवाल, अमृता अग्रवाल, तन्वी अग्रवाल, विशाल गुप्ता, यतीश जैन और कुशल ढिनोडिया शामिल हुए। बैठक के दौरान इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की गई । टीम के हर सदस्य ने उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपने समर्पण की शपथ ली।

राजस्थान परिषद ने मनाया क्षमापना दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन गांधीनगर में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में राजस्थान परिषद् द्वारा क्षमापना दिवस के मौके पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने मैत्री गीत का संगान किया। परामर्शक सुशील चोरड़िया ने उपस्थित सदस्यों को सूरत में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी आदि साधु साध्वियों से क्षमापना मांगी। परिषद् के अध्यक्ष ललित सेठिया, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने उपस्थित सभी से क्षमायाचना की। साध्वी संगीतप्रभा जी ने गीतिका का संगान किया। साध्वीश्री भव्ययशाजी ने मन को स्थिर करने के लिए ध्यान का प्रयोग करवाया । साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि क्षमा को उत्तम दान एवं उन्नति का मार्ग बताया। मंत्री विनय बैद ने धन्यवाद दिया।

विरक्त भावों से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव : राजेशमुनि

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत भवन में विराजित राजेशमुनिजी ने अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि मोह माया से परे और संसार से विरक्त भावों के साथ ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। जो छल के जाल नहीं बिछाते, देह से भी जिनका ममत्व छूट जाता है, त्याग में ही उनको आनंद मिलता है। जो प्रभु से प्रेम करते हुए जीवन यापन करते हैं वही प्रभु की ज्योत में ज्योत बनकर प्रभु के समान बन जाते हैं। लक्षण पर चर्चा करते हुए मुनि ने कहा कि आत्मा के अगले लक्षण वाले व्यक्ति उत्तम मार्दव अर्थात हर परिस्थिति में समता भाव से जीते हैं। हमें व्यवहार प्रिय बनना चाहिए और किसी के भी प्रति बदले की भावना नहीं रखनी चाहिए। हमें मक्खन जैसा मुलायम और अत्यंत सहनशील बनना चाहिए। हर परिस्थिति में सकारात्मक रहने से ही अत्म उद्धार के रास्ते निकलेंगे। सरलता का महत्व बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि सरल स्वभाव वाला व्यक्ति कठोर से कठोर हृदय वाले व्यक्ति को भी पिघला सकता है और ऐसा करके हम स्व कल्याण की राह में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर ऋषभ मुनिजी ने विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

आत्मशुद्धि का माध्यम है तप, तपस्वियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी ने कहा कि जैन धर्म में व जीवन में तप की बहुत महिमा है। तप की महत्त्वता बताते हुए साध्वीश्री ने महारानी सोहन कंवर के जीवन चरित्र की गाथा सुनाई। साध्वीश्री सुयशाजी ने व्यक्ति को उपरी तरह व आन्तरिक तरह से जीने का भेद समझाते हुए कहा कि हमारा अंदर का मन एक्सरे की तरह निर्दोष होना चाहिए, जैसे एक्सरे में अंदर की सभी स्थितियों की जानकारी मिलती है।

व्यक्ति को अपनी उपरी चेहरे से ज्यादा अंदर के चेहरे को साफ रखना चाहिए। उसके अंदर के भाव भी बहुत निर्मल व सेवा के होने चाहिए। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने बताया की चातुर्मास दौरान वर्ष तपस्याओं का तांता लगा हुआ है। साध्वियों की प्रेरणा से विजयनगर क्षेत्र में विभिन्न तपस्वियों की तपस्याएं गतिमान है। अनेक तपस्वियों ने विभिन्न तपस्याओं के प्रत्याख्यान भी ग्रहण किए। संघ की ओर से सभी तपस्वियों का स्वागत किया गया। अशोक नगर श्रूले स्थानक से बहु मंडल की 30श्राविकाओं ने साध्वीश्री के दर्शन व प्रवचन का लाभ लिया। संघ के अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया व आगामी कार्यक्रम की जानकारियां दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जय गणेश

बेंगलूरु के सुलतानपेट स्थित सिद्धाचल टावर में व्यापारियों ने मिलकर सामूहिक गणपति उत्सव का आयोजन किया जिसमें भजन संध्या व अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में व्यापारी बंधु शामिल हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ कर्नाटक के राज्य सहसंयोजक भरत कुमार जैन ने भाजपा राष्ट्रीय महासचिव राधामोहनदास अग्रवाल से होसपेट में शिष्टाचार भेंट कर उनका सम्मान किया तथा उन्हें प्रवासी प्रकोष्ठ की गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर कर्नाटक भाजपा महासचिव पी.राजीव, भाजपा विजयनगर जिला अध्यक्ष बसवगौड़ा पाटिल, पूर्व कर्नाटक प्रदेश मंत्री आनंद सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह, भाजपा विजयनगर महासचिव रघु और अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गणेश उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के यशवंतपुर में महागणपति सेवा समिति द्वारा आयोजित पांच दिवसीय गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने भगवान गणेश को मंदिरों से चौराहे पर लाकर देशवासियों को संगठित किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष विश्वनाथ रेड्डी, उपाध्यक्ष विक्रमसिंह परमार, जीएस चौधरी सहित अनेक सदस्यों ने मुणोत का सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संतदर्शन

वेल्लूर स्थित श्रीपुरम श्री नारायणी पीठम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने स्वर्ण मंदिर में महालक्ष्मी माता के दर्शन किए तथा मंदिर प्रमुख श्रीशक्ति अम्मा से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद व तीर्थप्रसाद ग्रहण किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com